NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

लखनऊ से प्रकाशित

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

वर्ष: 13 अंक: 131 लखनऊ, रविवार 24 दिसंबर 2023 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

हिम्मत है तो वाराणसी से पीएम मोदी के खिलाफ लड़ें चुनाव..बीजेपी की ममता बनर्जी को चुनौती

एजेंसी।

नई दिल्ली इंडिया ब्लॉक की चौथी बैठक के दौरान बनर्जी द्वारा वाराणसी संसदीय क्षेत्र में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा को उम्मीदवार के रूप में प्रस्तावित करने के बाद पॉल की प्रतिक्रिया आई। पश्चिम बंगाल भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी को 2024 के आम चुनाव के लिए वाराणसी लोकसभा सीट पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती दी है। इंडिया ब्लॉक की चौथी बैठक के दौरान बनर्जी द्वारा वाराणसी संसदीय क्षेत्र में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी

के खिलाफ कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा को उम्मीदवार के रूप में प्रस्तावित करने के बाद पॉल की प्रतिक्रिया आई। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि सीट बंटवारे से पहले अगर ममता बनर्जी में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी की जगह चुनाव लड़ने की हिम्मत है तो उन्हें ऐसा करना चाहिए। आप प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं न? हमारे मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री से मुकाबला करेंगे। देखते हैं उसमें कितना साहस है। 2019 में पीएम मोदी के खिलाफ वाराणसी सीट से प्रियंका गांधी की उम्मीदवारी की चर्चा ने जोर पकड़ लिया, लेकिन यह तब शांत हो गया जब कांग्रेस ने हाई–प्रोफाइल निर्वाचन क्षेत्र से अजय राय को मैदान में उतारा। इंडिया ब्लॉक की बैठक के बाद, जब बनर्जी से वाराणसी से प्रियंका गांधी की उम्मीदवारी के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि हम लोग सब कुछ नहीं बता सकते जो बात हुई है। इंडिया ब्लॉक की बैठक के दौरान, टीएमसी सुप्रीमो ने गठबंधन के सदस्यों से 31 दिसंबर तक सीट–बंटवारे के फॉर्मूले को अंतिम रूप देने का आग्रह किया। टीएमसी सूत्रों ने कहा कि इस बात पर काफी हद तक सहमति बनी है कि राज्य स्तर पर सीट–बंटवारे को दिसंबर के अंत तक और अंत में शीर्ष नेतृत्व स्तर पर जनवरी के दूसरे सप्ताह तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हैदराबाद में राष्ट्रपति निलयम में एट होम की मेजबानी की

एजेंसी

नई दिल्ली तमिलिसाई सौंदरराजन ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और रेड्डी को आतिथ्य और उनके बहुमूल्य समय के लिए धन्यवाद दिया। वार्षिक दक्षिणी प्रवास के हिस्से के रूप में 18 दिसंबर को हैदराबाद पहुंचीं राष्ट्रपति, सिकंदराबाद के बोलारम में राष्ट्रपति निलयम में ठहरी हैं।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रपति निलयम में एट होम (अनौपचारिक जलपान) पर लोगों की मेजबानी की। इस कार्यक्रम में तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगी और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। तमिलिसाई सौंदरराजन ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और रेड्डी को आतिथ्य और उनके बहुमूल्य समय के लिए धन्यवाद दिया। वार्षिक

दक्षिणी प्रवास के हिस्से के रूप में 18 दिसंबर को हैदराबाद पहुंचीं राष्ट्रपति, सिकंदराबाद के बोलारम में राष्ट्रपति निलयम में ठहरी हैं।

सरकार जवाबदेही से भाग रही है नेकां ने विपक्षी सांसदों के सामूहिक निलंबन पर कहा

एजेंसी। नई दिल्ली नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रवक्ता इमरान नबी डार ने एक बयान में कहा कि उनकी पार्टी फारूक अब्दुल्ला और हसनैन मसूदी सहित सांसदों के सामूहिक निलंबन की निंदा करती है। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) ने विपक्षी सांसदों के सामूहिक निलंबन की शुक्रवार को निंदा की और कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का जवाबदेही से भागने का स्पष्ट मामला है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रवक्ता इमरान नबी डार ने एक बयान में कहा कि उनकी पार्टी फारूक अब्दुल्ला और हसनैन मसूदी सहित सांसदों के सामूहिक निलंबन की निंदा करती है। उन्होंने कहा, ''यह सरकार द्वारा जवाबदेही से भागने और संसद में पेश किए गए विभिन्न महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा से बचने का स्पष्ट मामला है। सरकार ने स्पष्ट रूप से अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए ये निलंबन किए हैं।''

आरा मशीन व्यापार अध्यक्ष प्रताप सिंह बुंदेला बने

झांसी! आज सिमरावरी उत्तर प्रदेश आरा मशीन व्यापार मण्डल अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह चौहान को हटाकर आरा मशीन अध्यक्ष प्रताप सिंह बुंदेला को बनाया अध्यक्ष संजय पटवारी की प्रबल संस्तुति पर, प्रभारीध्पर्यवेक्षक कुलदीप सिंह दांगी के

अनुमोदन पर, जिलाध्यक्ष अरुण गुप्ता ने, सिमरावरी खैलार भेल झांसी व्यापार मण्डल का पुनर्गठन किया है।जिसमें नगर अध्यक्ष प्रताप सिंह बुंदेला को, महामंत्री विजय चौहान को, एवं कोषाध्यक्ष अख्तर खान को मनोनीत किया है।

विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया - अजहर मंसूरी

झांसी ! न्यू ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल में शिवाजी नगर में विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें काफी स्कूलों ने भाग लिया सी एल पब्लिक स्कूल ,मॉडर्न बिल्डिंग पब्लिक स्कूल बबीना, श्रीमती कुमारी राम व्यास पब्लिक स्कूल वाराठा, मां सरस्वती पब्लिक स्कूल भगवानपुर,

इन सभी ने विज्ञान से संबंधित बहुत सी आकर्षक मॉडल बनाएं ।जिसमें सभी ने इन मॉडलों की काफी सरायना की इस आयोजन की मुख्य अतिथि डॉक्टर संदीप सरावागी अध्यक्ष संघर्ष सेवा समिति झांसी ,अहमद मंसूरी प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक मंच अपना दल एस , प्रोफेसर रामचंद्र पटेल प्रदेश अध्यक्ष शिक्षक मंच अपना अपना दल एस, हेल्पिंग हैंड सेवा संस्थान के अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार श्रीवास्तव, संरक्षक दल्मोत्रा , अरुण प्रताप, मोहम्मद हारुन ,कैलाश गौतम सीनियर मैनेजर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, इंजीनियर जगदीश लाल, मनोज रेजा युवा महानगर अध्यक्ष उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल, अब्दुल रशीद अध्यक्ष ताजिया कमेटी ,इन सभी का माला डालकर सभी समस्त स्टाफ प्रबंधक मोहम्मद अकरम ने सभी का स्वागत किया ।सभी मुख्य अतिथियों ने बच्चों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया ।सभी मुख्य अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन करके विज्ञान प्रदर्शनी की काफी सरायना की और उन्होंने कहा है कि ऐसी विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन प्रत्येक विद्यालय को करना चाहिए। इस आयोजन में उपस्थित विद्यालय के प्रधानाचार्य फिरोज खान कृष्ण कुमार ।मोहम्मद अजहर, हाजी मुन्ना बाबू मंसूरी, बलबीर चौधरी ,महीपत जहां, मुकेश साहू, मुकेश शर्मा, पंचरत्न, वार्ड नंबर 18 के पार्षद अवतार खटीक, तरुण सक्सेना, मनोज कुशवाहा, नाहिद खान व समस्त स्टाफ आदि उपस्थित रहे ।अंत में मोहम्मद अजहर ने जो न्यू ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल के संचालक ने अंत में सभी का आभार व्यक्त किया महारानी वीरांगना ताजिया कमेटी के अध्यक्ष अब्दुल रशीद ने मोहम्मद अकरम वा जगदीश इंजीनियर को सम्मानित किया गया

बलिया में चकबंदी विभाग के चार बंदोबस्त अधिकारी सहित 31 कर्मियों के विरुद्ध जालसाजी का मामला दर्ज

संवददाता

बलिया पुलिस के अनुसार बंदोबस्त अधिकारी आर. के. सुरेश कुमार की शिकायत पर शुक्रवार को बलिया शहर कोतवाली में चार बंदोबस्त अधिकारी राधेश्याम, दयानंद सिंह चौहान, धन राज यादव व अनिल कुमार सहित विभाग के 31 कर्मियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। बलिया जिले के चकबंदी विभाग के चार बंदोबस्त अधिकारी सहित विभाग के 31 कर्मियों के विरुद्ध जालसाजी के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। पुलिस के अनुसार बंदोबस्त अधिकारी आर. के. सुरेश कुमार

की शिकायत पर शुक्रवार को बलिया शहर कोतवाली में चार बंदोबस्त अधिकारी राधेश्याम, दयानंद सिंह चौहान, धन राज यादव व अनिल कुमार सहित विभाग के 31 कर्मियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने दर्ज रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि आर. के. सुरेश कुमार ने शिकायत में बैरिया तहसील क्षेत्र के दलन छपरा गांव में चकबंदी कर्मियों पर फर्जी कार्रवाई और अनियमितता का आरोप लगाया है। चकबंदी आयुक्त की जांच के बाद मामला दर्ज कराया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गा प्रसाद तिवारी ने शनिवार को बताया कि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

कोरोना फिर उठा रहा सिर? तैयार होकर योगी सरकार ने जारी कर दी गाइडलाइंस

संवाददाता

लखनऊ कोरोना वायरस संक्रमण का नया वेरिएंट जेएन 1 सामने आया है, जो गंभीर स्ट्रेन बताया जा रहा है। इस नए स्ट्रेन को देखते हुए उत्तर प्रदेश में सभी सरकारी, निजी अस्पतालों और सीएमओ को निर्देश दिए गए हैं कि नई गाइडलाइन का पालन किया जाए। देश और दुनिया भर में

कोरोना वायरस संक्रमण का नया वेरिएंट तेजी के साथ फैल रहा है। कोरोना वायरस संक्रमण का नया वेरिएंट लगातार अपने पैर तेजी के साफ फैला रहा है, जिस कारण कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी होने लगी है। लोग कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए आम जनता काफी परेशान हो गई है। इसी बीच सरकारें भी कोरोना के संभावित खतरें को भांपते हुए अलर्ट मोड पर पहुंची है। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में ही तीन मामले और नोएडा में एक मामला सामने आया है। कोरोना वायरस संक्रमण के मामले देश में भी तेजी के साथ बढ़ते जा रहे है। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्य सरकारें भी अलर्ट हो गई है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने कोरोना वायरस संक्रमण के नए वेरिएंट को लेकर गाइडलाइन जारी कर दी है। इस गाइडलाइन के मुताबिक खांसी, बुखार और श्वांस रोगियों को कोरोना वायरस संक्रमण की जांच करवानी होगी। बता दें कि कोरोना वायरस संक्रमण का नया वेरिएंट जेएन 1 सामने आया है, जो गंभीर स्ट्रेन बताया जा रहा है। इस नए स्ट्रेन को देखते हुए उत्तर प्रदेश में सभी सरकारी, निजी अस्पतालों और सीएमओ को निर्देश दिए गए हैं कि नई गाइडलाइन का पालन किया जाए। जारी किए गए नोटिस के अनुसार इंफ्लुएंजा जैसे लक्षणों, खांसी, बुखार व श्वांस संबंधी बीमारियों की शिकायत होने पर मरीजों की कोविड जांच करवाई जाएगी। अगर मरीज का टेस्ट पॉजिटिव पाया जाता है तो जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए सैंपल केजीएमयू भेजा जाएगा। आइसोलेशन में रखकर होगा इलाज उत्तर प्रदेश सरकार ने नई गाइडलाइन जारी की है जिसके मुताबिक खांसी, जुकाम, बुखार और श्वसन संबंधित मरीजों की निगरानी की जाएगी। कोरोना वायरस संक्रमित मरीज की रिपोर्ट जब तक नेगेटिव नहीं आएगी तबतक मरीज को आइसोलेशन में रखा जाएगा। क्रिसमस और नए वर्ष के मौके पर भी एहतियात बरती जाएगी। इस दौरान होटल, रेस्टोरेंट, मॉल में लोगों की जुटने वाली भीड़ को देखते हुए संक्रमण बढ़ने की आशंका रहती है। ऐसे में निर्देश दिए गए हैं कि कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती के साथ पालन किया जाए। सरकार ने जनता से भी अपील की है कि खांसी और जुकाम होने पर अपना कोरोना टेस्ट करवाएं। भीड़ भाड़ वाले इलाके में ना रहें और मास्क व सैनेटाइजर का नियमित रुप से उपयोग करें।

हटाए जाएंगे ललन सिंह ? जदयू अध्यक्ष पद फिर से खुद संभाल सकते हैं नीतीश

एजेंसी।

पटना बिहार नीतीश को उनके करीबी विश्वासपात्रों ने सलाह दी है कि उन्हें पार्टी अध्यक्ष का पद संभालना चाहिए क्योंकि इससे पार्टी के भीतर किसी भी तरह की कलह से बचने में मदद मिलेगी, जो अन्यथा ललन सिंह की जगह किसी नए चेहरे के कारण शुरू हो सकती है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राजीव रंजन सिंह उर्फ ध्ध्ध्ललन सिंह को जनता दल (यूनाइटेड) प्रमुख के पद से हटा सकते हैं। यह फैसला 29 दिसंबर को दिल्ली में पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान लिए जाने की संभावना है। कयासों के बीच सूत्रों ने कहा कि नीतीश कुमार खुद पार्टी प्रमुख का पद संभाल सकते हैं। यह भी समझा जाता है कि नीतीश को उनके करीबी विश्वासपात्रों ने सलाह

दी है कि उन्हें पार्टी अध्यक्ष का पद संभालना चाहिए क्योंकि इससे पार्टी के भीतर किसी भी तरह की कलह से बचने में मदद मिलेगी, जो अन्यथा ललन सिंह की जगह किसी नए चेहरे के कारण शुरू हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, नीतीश कुमार ललन सिंह के कामकाज के तरीके और खासकर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ उनकी बढ़ती नजदीकियों को लेकर नाराज हैं। रिपोर्टों में कहा गया है कि ललन सिंह 2024 का लोकसभा चुनाव फिर से मुंगेर से लड़ने के इच्छुक हैं और वह राजद (राष्ट्रीय जनता दल) के टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं। रिपोर्टों में कहा गया है कि नीतीश अपनी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए इंडिया ब्लॉक भागीदारों के साथ अच्छा समन्वय करने में विफलता के कारण ललन सिंह से भी नाराज थे। इस बीच, इंडिया ब्लॉक की हालिया बैठक में नीतीश कुमार ने जनवरी तक सीट–बंटवारे की व्यवस्था को अंतिम रूप देने की आवश्यकता पर जोर दिया। जदयू के राष्ट्रीय महासचिव संजय कुमार झा 19 दिसंबर को दिल्ली में कुमार के साथ बैठक में शामिल हुए थे।

उन्होंने पार्टी कार्यालय में संवाददाताओं को जानकारी दी और कहा कि नीतीश कुमार ने विचार व्यक्त किया कि सीट बंटवारा जनवरी तक पूरा हो जाना चाहिए।

कि, सभी पार्टियों को एक सामान्य न्यूनतम कार्यक्रम के साथ आना चाहिए, क्योंकि वर्तमान शासन को चुनौती देने के लिए हमारे पास एक प्रति–कथा होनी चाहिए, और अभियान में उतरना चाहिए।

आतिशी ने रोहिणी अदालत की इमारत की "खस्ताहालत" को लेकर अधिकारियों को फटकार लगाई

एजेसी।

नई दिल्ली पत्र में कहा गया है, "दीवारों में सीलन आ गई है, जिसके चलते पेंट तथा सीमेंट उखड़ गए। छत की हालत भी खराब है। कई पैनल गायब हैं और तार लटक रहे हैं। अदालत कक्षों और वकीलों के कक्षों में उचित रखरखाव का अभाव है।"दिल्ली की लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री आतिशी ने

शुक्रवार को रोहिणी अदालत की "खस्ताहाल" इमारत पर गौर किया और अधिकारियों को 30 दिसंबर तक परिसर के वार्षिक रखरखाव अनुबंध का मसौदा तैयार करने का निर्देश दिया। प्रधान सचिव (पीडब्ल्यूडी) को लिखे पत्र में मंत्री ने कहा कि वहां मौजूद सुविधाओं के खराब प्रबंधन के बारे में न्यायाधीशों और वकीलों से कई शिकायतें मिलने के बाद उन्होंने बृहस्पतिवार को रोहिणी अदालत परिसर का दौरा किया। उन्होंने पत्र में कहा, मैं अदालत की इमारत की जर्जर हालत देखकर हैरान रह गई। आतिशी ने कहा कि पूरी इमारत में सीलन की समस्या है। उन्होंने कहा कि दीवारों और छत से पानी रिसने की बड़ी समस्या है। पत्र में कहा गया है, "दीवारों में सीलन आ गई है, जिसके चलते पेंट तथा सीमेंट उखड़ गए। छत की हालत भी खराब है। कई पैनल गायब हैं और तार लटक रहे हैं। अदालत कक्षों और वकीलों के कक्षों में उचित रखरखाव का अभाव है।" मंत्री ने शौचालयों, विशेषकर महिला शौचालयों की अस्वास्थ्यकर स्थिति पर भी प्रकाश डाला। पत्र में कहा गया है,

दो लुटेरे व टप्पेबाज गिरफ्तार तीन माह पहले टेड़ी पुलिया एक व्यक्ति से छीना था मोबाइल व दस हजार

संवाददाता।

लखनऊ । थाना विकासनगर पुलिस टीम द्वारा दो शातिर लुटेरे व टप्पेबाजों को गिरफ्तार कर लूट व टप्पेबाजी के एक मोबाइल फोन, एक जोड़ी पायल तथा 950 रुपये नगद बरामद किया गया। शुक्रवार को थाना विकासनगर पुलिस टीम संगम तिराहे पर मौजूद थीकि सूचना मिली कि दो संदिग्ध व्यक्ति जो राह चलते लोगों से मोबाइल पर्स छीनते व टप्पेबाजी करते हैं, टेढ़ी पुलिया के पास खड़े हैं। इस सूचना पर पुलिस टीम उक्त स्थान की ओर रवाना हुइ तो टेडी पुलिया से इंजीनियरिंग चौराहे की ओर जाने वाले सर्विस रोड पर खाली प्लाट के बाउंड्री के गेट के पास खड़े दोव्यक्तिखड़े दिखायी दिये। जिनकी गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत हो रही थी। पुलिस टीम ने आगे बढ़कर छुपते छुपाते देखा कि दोनों व्यक्ति आने जाने वाले राहगीरों को पैसे की जरूरत बता कर कुछ बेचने का प्रयास कर रहे थे। जिस पर पुलिस टीम को पूर्ण विश्वास हो गया कि उपरोक्त दोनों व्यक्तियों के पास संदिग्ध वस्तुएं है जो लूट व चोरी के हो सकते हैं। पुलिस को देखकर दोनों व्यक्ति सकपकाकर भागने का प्रयास किये परन्तु पुलिस टीम द्वारा उन्हे घेर कर पकड़ लिया। जिनसे सख्ती से पूछताछ करने पर पहले व्यक्ति ने अपना नाम कुलदीप कुमार उर्फ भेला पुत्र राकेश कुमार निवासी ग्राम महरूपुर रावी थाना कमालगंज जिला फरुर्खाबाद बताया। जिसकी जामा तलाशी से एक मोबाइल फोन, एक जोड़ा पायल बरामद हुआ। दूसरे व्यक्ति ने पूछने पर अपना नाम आकाश उर्फ मानी पुत्र स्व. विजय गिहार निवासी ग्राम महरूपुर रावी थाना कमालगंज जिला फरुर्खाबाद बताया। जिसकी जामा तलाशी से 950 रूपया नगद बरामद हुआ। पूछने पर दोनों ने बताया कि ये मोबाइल हमने एक साथ मिलकर राह चलते एक व्यक्ति टेडी पुलिया के पास लगभग तीन माह पूर्व छीना था। उस व्यक्ति के हाथ में लिये हुये पन्नी में रखे हुये 10 हजार रुपये भी छीन लिये थे जो हम दोनों नें आपस में बांट लिया जो खर्च हो गये है। बरामद पायल व पैसे के बारे में पूछने पर बताया कि लगभग 5 माह पूर्व हम दोनों लोगों नें मिलकर शिव जी की मूर्ति के पास एक बूढ़ी महिला से कालोनी का पैसा दिलाने के नाम पर बेवकूफ बनाकर उसके कान के बूंदे व पायल उतरवा लिया था। उस महिला से उतरवाये गये कान के बुंदे को रूपयो की आवश्यकता पड़ने पर हम दोनो ने मिलकर राह चलते व्यक्तियों को मजबूरी बताकर औने पौने दाम पर बेंच दिया था तथा मिले रुपए आपस में बांट लिया था जो रुपए मिले थे हमने मौज मस्ती में खर्च कर दिया। मोबाइल व पायल को बेचने के लिये ग्राहक की तलाश कर रहे थे कि आप लोगों ने पकड़ लिया। पुलिस इनके अन्य अपराधिक इतिहास के सम्बन्ध में अन्य थानों से जानकारी कर रही है।

पीएनबी के एटीएम से 13 लाख कैश चोरी

गाजीपुर पुलिस ने तहरीर मिलने पर दर्ज किया मुकदमा

संवाददाता।

लखनऊ । राजधानी के गाजीपुर थानाक्षेत्र के इंदिरानगर में पीएनबी के एटीएम से 13 लाख कैश चोरी करने का मामला सामने आया है। इस मामले की तहरीर पुलिस को दी गई है। पुलिस ने चोरी का मुकदमा दर्ज कर कर लिया है। बताया जा रहा कि एटीएम से लाखों रुपये की चोरी करने के वाले मुंह पर कपड़ा ढक कर अंदर घुसे। इसे बाद हाथ पर लिखे पिन कोड को डालकर चोरी की घटना का दिया अंजाम। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने तहरीर दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है। रवीन्द्र शर्मा पुत्र दयाराम शर्मा निवासी–सीएमएस इन्फो सिस्टम सीपी विराजखण्ड नियर सहारा हॉस्पिटल गोमतीनगर ने थाना गाजीपुर पर सूचना दिया कि वह सीएमएस इन्फो सिस्टम लिमिटेड कम्पनी लखनऊ में रिजनल आपरेशन मैनेजर के पद पर नियुक्त है। उसकी कम्पनी विभिन्न बैंकों के एटीएम में कैश लोडिंग का कार्य करती है। लखनऊ में एटीमएम में लोडिंग का कार्य करने हेतु ब्रान्च में नियुक्त कस्टोडियन के माध्यम से कराई जाती है। जो प्राप्त इंडेन्ट के अनुसार बैंक विथड्राल के ऊपर एजेन्ट के रूप में कार्य करते हुए लोडिंग करते हैं। लखनऊ ब्रान्च में कस्टोडियन नौशाद अली पुत्र इरशाद अली निवासी बेगमपुरवा थाना बाबू पुरवा कानपुर नगर व सूरज मौर्या पुत्र श्याम नरायण मौर्या निवासी ग्राम भटवाराकला पिपरिया थाना चकिया जनपद चंदौली नियुक्त हैं तथा रूट के एटीएम में कैश लोडिंग करते हैं। 19 दिसंबर को सेक्टर बी इन्दिरानगर में स्थित पीएनबी एटीएम में समय करीब 11.48 बजे दोपहर को उक्त एटीएम में एक अज्ञात व्यक्ति जो अपना मुंह ढका हुआ था आया और हाथ पर लिखा कोड को देखकर एटीएम को खोला और 1308500 रुपए चोरी से निकाल लिये। उक्त व्यक्ति एटीएम से बाहर निकलकर फोन से किसी व्यक्ति से फोन से बात भी कर रहा था। उक्त चोरी हुए एटीएम से पैसे मिलान करने पता चला कि पैसा चोरी हुआ है। यह घटना सीसीटीवी फुटेज में आ गयी है। उल्लेखनीय है कि कस्टोडियन नौशाद अली व इसी ब्रान्च में कार्यरत कस्टोडियन शिवांक देवांशी मल्हौर लखनऊ में एक ही रूम में किराये पर रहते हैं। तथा कस्टोडियन सूरज कुमार मौर्य के अवकाश पर होने के कारण उक्त रूट पर कस्टोडियन शिवांक व प्रदीप भी काम किये हैं। अज्ञात व्यक्ति जिसने रूपया चोरी किया है उसके द्वारा बिना एटीएम पिन के पैसा नहीं निकाला जा सकता था। वादी को पूरी तरह से विश्वास है कि उक्त चारों व्यक्तियों द्वारा किसी अज्ञात व्यक्ति से चोरी करायी गयी है। तहरीर मिलने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

एलडीए ने बिजनौर में 40 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही अवैध प्लाटिंग पर चलाया बुलडोजर

संवाददाता

लखनऊ । विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी द्वारा शहर में अवैध निर्माणध्प्लाटिंग के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही किये जाने के निर्देशों के क्रम में शुक्रवार को प्रवर्तन जोन–2 की टीम ने बिजनौर थानाक्षेत्र में अभियान चलाया। इस दौरान निजी विकासकर्ताओं द्वारा ग्राम–असरफनगर में लगभग 40 बीघा क्षेत्रफल में विकसित की जा रही अवैध कालोनी के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी।

प्रवर्तन जोन–2 की जोनल अधिकारी प्रिया सिंह ने बताया कि अनिल सिंह, जर्नादन सिंह व मेसर्स ट्रस्ट अस ग्रुप द्वारा बिजनौर के ग्राम–असरफनगर में भूमि खसरा संख्या–228, 231, 245 आदि पर लगभग 40 बीघा क्षेत्रफल में अवैध रूप से प्लाटिंग का कार्य करते हुए कालोनी विकसित की जा रही थी। प्राधिकरण से ले–आउट स्वीकृत कराये बिना की जा रही इस अवैध प्लाटिंग के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए ध्वस्तीकरण के आदेश पारित किये गये थे।

उक्त आदेश के अनुपालन में आज सहायक अभियंता शिवा सिंह के नेतृत्व में अवर अभियंता नागेन्द्र मिश्रा व ऋतुपाल द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से अवैध प्लाटिंग के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही करायी गयी। इस दौरान डेवलपर द्वारा स्थल पर विकसित की गयी सड़कें, नाली, बाउन्ड्रीवॉल, भूखण्डों के डिमार्केशन के लिए ईंटों से किए गए चिनाई आदि के कार्य को ध्वस्त कर दिया गया।

सी.एम.एस. स्टेशन रोड कैम्पस द्वारा 'एनुअल पैरेन्ट्स डे' समारोह का भव्य आयोजन

लखनऊ, 23 दिसम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, स्टेशन रोड कैम्पस द्वारा 'एनुअल पैरेन्ट्स डे' समारोह का भव्य आयोजन सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने शिक्षात्मक साँस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की। मुख्य अतिथि श्री प्रशांत कुमार सिंह, डेप्युटी

डायरेक्टर जनरल, यूआईडीएआई, ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत् शुभारम्भ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री सिंह ने कहा कि अनुशासित एवं संस्कारयुक्त पारिवारिक वातावरण में पले–बढ़े बालक ही विश्व का मार्गदर्शन कर सकते हैं। इस तरह के सांस्कृतिक एवं शैक्षिक समारोह बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु बेहद महत्वपूर्ण हैं। समारोह का शुभारम्भ सर्व–धर्म प्रार्थना एवं विश्व एकता प्रार्थना से हुआ। इसके अलावा, विभिन्न प्रेरणादायी कार्यक्रमों जैसे प्रार्थना नृत्य, स्वागत गान, समूह गायन, लघु नाटिका, कव्वाली एवं विभिन्न लोकनृत्यों को अभिभावकों ने खूब सराहा। समारोह का खास आकर्षण रहा कि 'विश्व संसद' के शानदार प्रदर्शन को भी सभी ने सराहा। सी.एम.एस. संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने इस अवसर पर कहा कि इस तरह के समारोह द्वारा अभिभावकों को इस बात के लिए प्रेरित करना है कि बालक की प्रथम पाठशाला घर है। घर में बच्चों को नैतिकता एवं आध्यात्मिकता का वातावरण उपलब्ध कराकर आदर्श समाज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। अन्त में, सी.एम.एस. स्टेशन रोड कैम्पस की प्रधानाचार्या श्रीमती दीपाली गौतम ने बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु पधारे अभिभावकों व गणमान्य अतिथियों को हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

सांसदों के निलंबन को लेकर सरकार के खिलाफ गरजे सपाई

रायबरेली। विपक्ष के 142 सांसदों को भाजपा की केन्द्र सरकार के इशारे पर सदन से निलम्बित करने के विरोध में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमन्त्री अखिलेश यादव के आहवान पर समाजवादी पार्टी द्वारा राष्ट्रपति को जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन देने के लिए जिलाध्यक्ष इं. वीरेन्द्र यादव की अगुवाई में सैकड़ों कार्यकर्ता समाजवादी पार्टी कार्यालय सुपर मार्केट से कलेक्ट्रेट के लिए प्रस्थान किये, पुलिस प्रशासन द्वारा चंदापुर मंदिर के पास उसके बाद हाथी पार्क चौराहा फिर डिग्री कालेज चौराहे पर बैरीकेटिंग लगाकर कार्यकर्ताओं एवं नेताओं को बलपूर्वक पुलिस द्वारा रोकने का भारी प्रयास किया गया। इस अवसर पर विधायक श्याम सुन्दर भारती, राहुल लोधी, प्रदेश सचिव चौ0 मोहसिन एवं कई कार्यकर्ताओं के साथ पुलिसकर्मियों द्वारा धक्कामुक्की की गयी, परन्तु समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा बैरीकेटिंग को पार करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय के गेट पर नारेबाजी करते हुए पहुँच गये, प्रशासन द्वारा कलेक्ट्रेट का मेन गेट बंद करवा कर ताला लगा दिया, जिससे क्षुब्ध सपाईयों द्वारा गेट के सामने ही धरना देकर प्रदर्शन किया गया।जिलाध्यक्ष इं. वीरेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा सरकार संविधान को नहीं मानती, लोकतंत्र को समाप्त करना चाह रही है, जब देश की संसद ही सुरक्षित नहीं है तो आमजन को सुरक्षा देना काल्पनिक है। विधायक श्याम सुन्दर भारती ने कहा कि चुने हुए जन प्रतिनिधियों के साथ प्रशासन का अपमानजनक रवैय्या कतई बर्दास्त करने योग्य नहीं है। संसद में देश के प्रधानमन्त्री, गृह मंत्री सुरक्षा पर सांसदों की मांग पर बयान न देकर जनप्रतिनिधियों का अपमान किया है। विधायक राहुल लोधी ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन को विफल करने का प्रशासनिक प्रयास लोकतंत्र में आवाज को दबाना है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता जुल्म एवं ज्यादिती बर्दास्त नहीं करेगा।इस दौरान सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने धरना देकर जिलाधिकारी कार्यालय गेट पर मजिस्ट्रेट को ज्ञापन दिया गया।

सांसदों के निलबंन के खिलाफ कांग्रेस का हल्लाबोल

रायबरेली। जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा मोदी सरकार में विपक्ष के सांसदों को निलंबित किये जाने के विरोध में प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया।इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी ने कहा कि मोदी सरकार लोकतंत्र का मजाक बना रही है, विपक्ष के 146 सांसदों को निलंबित करना देश की जनता का अपमान है, सांसद की सुरक्षा में हुई चूक से ध्यान भटकाने के लिए सांसदों को निलंबित किया गया है शहर अध्यक्ष धीरज श्रीवास्तव ने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता के नशे में इतनी अहंकारी हो गई है कि उसने तुगलकी फरमान जारी कर 146 सांसदों को निलंबित कर दिया, जो देश के लोकतंत्र के लिए न सिर्फ खतरा है बल्कि संसद के इतिहास का काला अध्याय भी है।

भोजन में शामिल करें मोटे अनाज–उद्यानमंत्री

श्री अन्न महोत्सव एवं जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

संवाददाता।

रायबरेली।दो दिवसीय श्री अन्न महोत्सव में मिलेट रिसेपी एवं जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन उद्यानमंत्री दिनेश प्रताप सिंह के द्वारा फीता काटकर किया गया तथा स्टालों का अवलोकन किया गया। कार्यक्रम में मिलेट्स से बने हुए विभिन्न प्रकार के उत्पादों के स्टाल महिला एवं बाल विकास, शिक्षा विभाग, खाद्य सुरक्षा, एफ पी ओ, निजी संस्थानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों द्वारा लगाए गये। रागी, कोदो, सांवा, बाजरा, ज्वार आदि से बने उत्पादों के प्रति लोगों का काफी आकर्षण रहा। पेंटिंग व रंगोली प्रतियोगिता में स्कूली बच्चों द्वारा काफी प्रसन्नतापूर्वक बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया गया। महोत्सव में आये सभी लोगों द्वारा मिलेट्स के व्यंजनों का स्वाद लिया गया। एक स्टाल पर काफी भीड़ देखी गयी जहाँ पर सभी को निः शुल्क मिलेट्स व्यंजन परोसा जा रहा था,यहाँ पर लोगों द्वारा मिलेट डोसा, कोदो व सांवा खीर आदि को काफी पसंद किया गया। मंच पर स्कूली बच्चों एवं लोक गायिका प्रतिमा यादव द्वारा नृत्य व गायन से सम्बंधित कई मनोहर प्रस्तुतियां दी गयी जो लोगों को काफी पसंद आया। उद्यान मंत्री द्वारा कार्यक्रम में लोगों को अपनी डाइट में श्री अन्न को शामिल करने का अनुरोध किया गया तथा उसके महत्व को बताया गया । उनके द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा व मुख्यमंत्री के कुशल निर्देशन में इस अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के अवसर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं,जिसमें कृषि विभाग रायबरेली द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है तथा कहा कि आशा व्यक्त करता हूँ कि लोगों की डाइट में मिलेट्स भविष्य में सम्मिलित हो सकेगा साथ ही इस प्रकार के कार्यक्रम से उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ेगी तथा किसान अपने उत्पादन को बढ़ाने तथा मिलेट्स फसलों को अपनाने में सफल होंगे। मुख्य विकास अधिकारी पूजा यादव द्वारा उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरुद्धार योजना के अंतर्गत चलाए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गयी तथा लोगों से मिलेट्स को अपनाने के लिए अपील की गयी।कार्यक्रम में चारों तरफ मिलेट्स सम्बंधित लगी हुई होर्डिंग स्कूली बच्चों एवं आए हुए लोगों द्वारा काफी पसंद की गई।

राममंदिर की स्थापना को लेकर अभी से सतर्कता बरती जाए– आयुक्त

संवाददाता।

बस्ती । अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम को देखते हुए मंडल के सभी जिले में सतर्कता बरतने के लिए मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने सभी जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक को निर्देशित किया है। सभागार में आयोजित कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक में उन्होने निर्देश दिया कि सभी होटल, धर्मशाला, रेस्टहाउस, गेस्टहाउस की नियमित जॉच करें। नये किरायेदारों के बारे में जानकारी जुटाई जाय। उन्होने निर्देश दिया कि जनपद के सभी होटल, धर्मशाला, रेस्टहाउस, गेस्टहाउस के संचालको के साथ एक बैठक कर ली जाय। सुनिश्चित किया जाय कि कोई भी व्यक्ति वहॉ पर बिना पहचान पत्र के ना रूके। संदिग्ध व्यक्ति के संबंध में संचालको को तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचना देनी होंगी। उन्होने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में आमंत्रित व्यक्तियों को ही जाना है, इसलिए लोगों को प्रेरित करें कि वे इस दौरान अयोध्या जाने से बचें। उन्होने कहा कि सभी नगरपालिका एवं नगरपंचायतों में अवैध ढंग से लगी होर्डिंग को तत्काल हटाया जाय। नगरनिकाय स्थान निर्धारित करे तथा शुल्क लेकर होर्डिंग लगाने की अनुमति देंगे। इसके लिए यह सुनिश्चित किया जायेंगा कि लगायी गयी होर्डिंग आवागमन में बाधक ना हों। आईजी आर.के. भारद्वाज ने निर्देश दिया कि नेपाल बार्डर की चेकिंग बढायी जाय। प्रत्येक छोटी से छोटी घटना के संबंध में तत्काल प्रभावी कार्यवाही करते हुए निस्तारण कराया जाय। किसी भी घटना के होने पर वरिष्ठ अधिकारी घटना स्थल का निरीक्षण करें। धार्मिक स्थलों पर भी निवास करने वाले व्यक्तियों के बारे में जानकारी जुटायी जाय। उन्होने निर्देश दिया कि अवैध रूप से संचालित टैक्सी स्टैण्ड बन्द कराये जाय। टैक्सी स्टैण्ड के लिए स्थान निर्धारित करते हुए आवश्यक सुविधाए उपलब्ध करायी जाय। मण्डलायुक्त ने कर–करेत्तर एवं राजस्व कार्यो की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया है कि विभाग अगले तीन माह की कार्ययोजना बनाकर कार्य करें ताकि शतप्रतिशत राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य हासिल किया जा सकें। उन्होने निर्देश दिया कि आवास, कुम्हारीकला, वृक्षारोपण, पट्टा आवंटन का शतप्रतिशत लक्ष्य हासिल करें। पॉच वर्ष से अधिक के राजस्व वादों के निस्तारण में तेजी लायें। अमलदरामद समय से सुनिश्चित करें। तैयार घरौनी का वितरण कराये।

समीक्षा में उन्होने पाया कि विद्युत विभाग द्वारा ओटीएस स्कीम के तहत 21 दिसम्बर तक 89 करोड़ रूपये के सापेक्ष 100 करोड़ रूपये प्राप्त किए गये है। उन्होने निर्देश दिया कि 31 दिसम्बर तक अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को ओटीएस का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होने सभी एडीएम को निर्देशित किया कि तहसील के माध्यम से बड़े बकायेदारों से वसूली में तेजी लायें। उन्होने स्टाम्प, आबकारी, परिवहन, खनन, वन आदि विभागों की राजस्व प्राप्ति की समीक्षा किया। बैठक का संचालन अपर आयुक्त राजीव पाण्डेय ने किया। इसमें जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर पवन अग्रवाल, सीडीओ जयदेव सीएस, पुलिस अधीक्षक बस्ती गोपाल कृष्ण चौधरी, सिद्धार्थनगर अभिषेक अग्रवाल, संतकबीर नगर सत्यजीत गुप्ता, अपर जिलाधिकारी कमलेश चन्द्र, उमाशंकर, जय प्रकाश, डीडीसी राजेन्द्र सिंह, एसओसी मनोज प्रकाश, क्षेत्रीय मण्डलाधिकारी पुलिस रोधेश्याम वर्मा तथा विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विस्थापितों के लिए आवास व दुकान के पंजीकरण के लिए 21 जनवरी, 2024 तक लगेगा कैम्प

संवाददाता।

लखनऊ ।अकबरनगर प्रथम व द्वितीय में कुकरैल नदी व बंधे के विस्थापितों को आवास व दुकान आवंटित की जा रही है। विस्थापितों को आवास व दुकान के लिए पंजीकरण कराने में किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा अकबरनगर पुलिस चौकी के निकट ही विशेष पंजीकरण शिविर लगाया गया है, जिसकी अवधि एक माह के लिए बढ़ा दी गयी है। अब यह कैम्प 21 जनवरी, 2024 तक आयोजित किया जाएगा। अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि शुक्रवार को कैम्प में पहुंचे लोगों ने योजना व पंजीकरण के सम्बंध में पूरी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान 14 लोगों ने प्रधानमंत्री आवास योजना के फार्म लिये। जिसमें से अकबरनगर प्रथम में रहने वाली चमेली देवी ने 5 हजार रूपये जमा कराके प्रधानमंत्री आवास के लिए पंजीकरण कराया। अपर सचिव ने बताया कि अकबरनगर में लगाये जा रहे कैम्प में अब तक कुल 81 विस्थापितों ने प्रधानमंत्री आवास तथा 88 लोगों ने डूडा के आवास के लिए पंजीकरण कराया है।उन्होंने बताया कि उपाध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार विस्थापितों को कई सहूलियतें दी जा रही हैं। इसमें एक तरफ प्रधानमंत्री आवास की पंजीकरण धनराशि 10,000 रूपये से घटाकर 5,000 रूपये कर दी गयी है। वहीं, दूसरी तरफ व्यावसायिक श्रेणी में 25 प्रतिशत के स्थान पर मात्र 15 प्रतिशत धनराशि के अग्रिम भुगतान पर ही दुकानों का कब्जा दिया जा रहा है। इसके अलावा जिनके परिवार बड़े हैं या फिर जो अधिक क्षेत्रफल के आवास लेना चाहते हैं तो वे प्राधिकरण की योजनाओं में रिक्त फ्लैटों को 15 प्रतिशत के अग्रिम भुगतान पर लेकर निवास कर सकते हैं। इन सभी श्रेणियों में शेष धनराशि 10 वर्षों की आसान किस्तों में जमा करने का विकल्प दिया गया है।

एलडीए के विशेष निबंधन शिविर में 106 आवंटियों ने करायी रजिस्ट्री

संवाददाता।

लखनऊ। विकास प्राधिकरण की विभिन्न आवासीय एवं व्यावसायिक सम्पत्तियों की रजिस्ट्री के लिए लगाये गये विशेष निबंधन शिविर में शुक्रवार को भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। इस दौरान 106 आवंटियों के पक्ष में रजिस्ट्री की कार्यवाही की गयी, जबकि रजिस्ट्री के लिए 04 नये प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए।

अपर सचिव ने बताया कि प्राधिकरण द्वारा विभिन्न आवासीय एवं व्यावसायिक सम्पत्तियों का आवंटन किया गया है। इनमें काफी संख्या में सम्पत्तियों की रजिस्ट्री अभी तक नहीं हो पायी है। इसे ध्यान में रखते हुए आवंटियों की सहूलियत के लिए दिनांक–05.12.2023 से

23.12.2023 तक प्राधिकरण भवन के बारादरी लॉन में विशेष निबंधन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को भी कैम्प में प्राधिकरण के गणना, लेखा, नियोजन व सम्पत्ति अनुभाग के समस्त सम्बंधित अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ निबंधन विभाग की टीम मौजूद रही। इससे सम्पत्तियों के निबंधन सम्बंधी दस्तावेज तैयार करने तथा उनके पंजीयन की कार्यवाही एक ही जगह सम्पादित की गयी।

दिन भर चली कार्यवाही के दौरान 106 आवंटियों की रजिस्ट्री की गयी। जिसमें विभिन्न अपार्टमेंट्स के फ्लैट, प्रधानमंत्री आवास, बसन्तकुंज, शारदा नगर व कानपुर रोड समेत अन्य योजनाओं की सम्पत्तियां शामिल हैं। अपर सचिव ने बताया कि उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देशानुसार आवंटियों से समन्वय बनाकर रजिस्ट्री की कार्यवाही की जा रही है। इस क्रम में आवंटियों को रजिस्ट्री कराने के सम्बंध में सूचना भी भेजी जा रही है।

सी.एम.एस. आनन्द नगर के वार्षिक खेलकूद समारोह में छात्रों ने दिखाई अभूतपूर्व खेल प्रतिभा

लखनऊ, 23 दिसम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, आनन्द नगर कैम्पस द्वारा उ.प्र. होम गार्डस ग्राउण्ड, आनन्द नगर, लखनऊ में आज बड़े ही भव्य स्तर पर 'वार्षिक खेलकूद समारोह'आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे डा. मुकेश कुमार सिंह, ज्वाइंट डायरेक्टर, सर्व शिक्षा अभियान, उ.प्र. ने खेल ध्वज फहराकर खेलों का विधिवत शुभारम्भ किया जबकि श्री अतुल अग्निहोत्री, प्रेसीडेन्ट, बॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ लखनऊ एवं असिस्टेन्ट कमान्डेन्ट, पीएसी, सीतापुर ने विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारकर समारोह की गरिमा को बढ़ाया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि डा. मुकेश कुमार सिंह ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल में हार–जीत महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि खेल भावना से खेलना महत्वपूर्ण है। जो खेल में उत्कृष्ट होते हैं, वे जिन्दगी में भी सफल होते हैं। सी.एम.एस. संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने इस अवसर पर कहा कि इन नन्हें–मुन्हें छात्रों में असीम प्रतिभा छिपी है। हमें आशा है कि यह नई पीढ़ी संसार में क्रान्ति लायेगी व पूरे विश्व को एक सूत्र में बांधेगी।

कार्यक्रम का शुभारम्भ सर्व–धर्म व विश्व एकता प्रार्थना के प्रस्तुतीकरण से हुआ जिसके बाद आज की निर्धारित प्रतियोगिताओं का दौर प्रारम्भ हुआ जिसमें रेस, रेडी टू स्कूल रेस, नेट रेस, वॉक ऑन पेपर रेस, हर्डल रेस, बाल बैलेन्स रेस, वन लेग रेस, फुटबाल रोलिंग रेस, हूपला सिंगल रेस, हूपला डबल रेस, वॉकथॉन, कराटे ड्रिल, पिरामिड आदि प्रमुख रही। ग्रैण्ड पैरेन्ट्स के लिए आयोजित म्यूजिकल चेयर खेल ने सभी को खूल लुभाया।इस अवसर पर सी.एम.एस. आनन्द नगर कैम्पस की प्रधानाचार्या सुश्री रीना सोटी ने अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा कि हम छात्रों को एक टोटल क्वालिटी पर्सन बनाने का प्रयास करते हैं। इनमें सार्वभौमिक जीवन मूल्य व विश्वव्यापी सोच डालते हैं जिससे वे देश के ही नहीं अपितु विश्व के अच्छे नागरिक सिद्ध हों।

सांसदों के निलंबन पर भड़के सपाई दिया ज्ञापन

गौरीगंज अमेठी । जिला मुख्यालय पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता सांसदो के निलंबन को लेकर शुक्रवार को सड़क पर उतर गए और महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन स्थानीय प्रशासन को दिया।पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर जिलाध्यक्ष राम उदित यादव के नेतृत्व में सपाइयों का जत्था कार्यालय से निकल कलेक्ट्रेट पहुंचकर धरने पर बैठ गया। ज्ञापन एसडीएम आशीष सिंह को देते हुए जिला महासचिव अरशद अहमद ने सुनाते हुए कहा कि मौजूदा राजनैतिक घटनाक्रम को लेकर नाराजगी जाहिर करते हुए महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को दिया। जिसमें उन्होंने मांग की हैं कि संसद भवन में घुसे युवकों की जानकारी मांगने पर 142 सांसदो को निलम्बित कर दिया गया जो देश के लोकतंत्र के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ।यह सब लोकतंत्र का हनन है सरकार जनता से जुड़े मुद्दों से भाग रही है तथा मनमाने ढंग से संसद चला रही हैं। देश में जघन्य अपराध अन्याय अत्याचार बेरोजगारी जैसे संवेदनशील मुद्दों पर चुप यह सरकार जनता की आवाज दबाने का कार्य कर रही हैं। जिससे जिले के सपा नेताओं में बड़ा ही आक्रोश हैं।इस मौके पर डॉ रुदल यादव तुफैल खान डॉ सी पी यादव आर के यादव आनंद वर्मा राजमोहन यादव सोनू अंसारी विमलेश सरोज आदि मौजूद रहे।

बार अध्यक्ष पद के लिए होगा त्रिकोणीय घमासान

अमेठी।बार अध्यक्ष पद के लिए यहां त्रिकोणीय घमासान हो रहा है।अमेठी बार एसोसिएशन के चुनाव के लिए नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी का समय गुरुवार को समाप्त हो गया। अध्यक्ष सीनियर उपाध्यक्ष सचिव और कोषाध्यक्ष पद के लिए मुकाबले की स्थिति बनी है। उपाध्यक्ष पद के लिए राजेश मिश्र और धर्मेंद्र नाथ शुक्ल सहित 11 पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं। अध्यक्ष पद के लिए ओम प्रकाश मिश्र दिनेश प्रताप सिंह और शिवमूर्ति तिवारी ने नामांकन किया है। सीनियर उपाध्यक्ष पद के लिए मोः कुद्दुस खां जितेन्द्र बहादुर सिंह और त्रियुगीनारायण मिश्र ने नामांकन किया है। सचिव पद के लिए उपेन्द्र कुमार शुक्ल छत्रसाल सिंह बृजेश कुमार पाण्डेय और सुरेश चंद्र वर्मा ने नामांकन किया है। कोषाध्यक्ष पद पर अनूप कुमार श्रीवास्तव और प्रेम नारायण दूबे प्रत्याशी हैं। जूनियर उपाध्यक्ष पद पर सुरेश कुमार गुप्ता संयुक्त सचिव पद पर चंद्र मोहन मिश्र अजय कुमार तिवारी और हरिपाल सिंह निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

झांसी रेल मण्डल का प्रथम ललितपुर स्टेशन महोत्सव संपन्न हुआ

राशिद पठान नगर संवाददाता झांसी

झांसी ! ललितपुर रेलवे स्टेशन पर स्टेशन महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें ललितपुर रेलवे स्टेशन का इतिहास तथा अमृत भारत योजना में चयनित रेलवे स्टेशन ललितपुर के सर्वांगीण विकास के साथ स्टेशन के पुर्ननिर्माण योजना की विस्तृत प्रदर्शनी लगायी गयी। साथ ही स्टेशन महोत्सव मनाकर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन रेल परिवार द्वारा किया गया। इस दौरान मां सरस्वती ज्ञान मंदिर इण्टर कॉलेज आजादपुरा तथा रामरतन विद्या मंदिर के बालक–बालिकाओं द्वारा देशभक्ति गीत, सरस्वती वन्दना और अन्य मनमोहक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। यह झांसी मण्डल का प्रथम महोत्सव है। इस महोत्सव का शुभारंभ उप्र सरकार के राज्यमंत्री मनोहरलाल पंथ , विधायक रामरतन कुशवाहा, अपर मण्डल रेल प्रबंधक आर.डी. मौर्या, वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक शशिकांत त्रिपाठी,

रेलवे बल सुरक्षा आयुक्त विवेकानंद नारायण, मनोज कुमार सिंह पीआरओ तथा उत्तर मध्य रेलवे के जेड.आर.यू.सी.सी. सदस्य,डॉ. प्रदीप कुमार तिवारी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके तथा केक काटकर किया ।इस अवसर पर जेड आर यू सी सी सदस्य सोम तिवारी, अमित संज्ञा, जनसंपर्क निरीक्षक प्रदीप सुड़ेले, मु.वरि. निरी. राघवेन्द्र कुशवाहा, आशीष शर्मा, संजय सोनकर, कमलजीत सिंह भांवरा, मौजूद रहे। नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन रजनीश श्रीवास्तव एण्ड पार्टी द्वारा किया गया। स्टेशन प्रबंधक डी.के.चतुर्वेदी, परिवहन निरीक्षक पीयूष प्रसाद, उप स्टेशन अधीक्षक शान्तनु पुरोहित, शिवशंकर सैनी, अशोक कुमार की भूमिका कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण रही। अंत में वरिष्ठ मण्डल परिवहन प्रबंधक ने सभी का आभार जताया।

स्वीकृत समस्त परियोजनाओं पर माह के अंत तक कार्य प्रारंभ कर कार्यों में तेजी लाते हुए करें पूर्ण– जिलाधिकारी

संवाददाता।

मऊ। जिलाधिकारी अरुण कुमार के अध्यक्षता में जल जीवन मिशन के तहत संचालित विभिन्न पेयजल योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2023–24 हेतु कुल 92270 गृह संयोजन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके सापेक्ष अब तक 85897 गृह संयोजन दिए जा चुके हैं, जो कुल का 93.09 प्रतिशत है। जनपद मऊ में जल जीवन मिशन हर घर नल योजना के अंतर्गत कुल 1318 राजस्व ग्राम हेतु आगणन विरचन एवं निर्माण कार्य का लक्ष्य आवंटित है, जिसके सापेक्ष समस्त 1318 राजस्व ग्राम (कुल 532 पेयजल योजना) का डीपीआर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन को जिला पेयजल योजना एवं स्वच्छता समिति के माध्यम से प्रेषित किए जा चुके हैं। जिसमे से 532 पेयजल योजनाओं का डीपीआर की राज्य पेयजल एवं स्वच्छता समिति से स्वीकृति भी मिल चुकी है। स्वीकृत परियोजनाओं में से 522 पेयजल योजनाओं पर कार्य प्रारंभ हो चुका है जिसके अंतर्गत 1299 राजस्व का ग्राम सम्मिलित हैं। अभी भी 19 राजस्व ग्रामों में कार्य प्रारंभ ना होने पर जिलाधिकारी ने इस माह के अंत तक समस्त राजस्व ग्रामों में कार्य प्रारंभ करने के निर्देश संबंधित कार्यदाईं संस्थाओं को दिए। विशेष कर कार्यदाई संस्था एलसी इंफ्रा द्वारा विगत दो वर्षों से कार्य प्रारंभ करने के बावजूद अभी भी चार परियोजनाओं के तहत सात राजस्व ग्रामों में कार्य प्रारंभ न होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला अधिकारी ने संबंधित कार्यदाई संस्था के जिला प्रतिनिधि को इस माह के अंत तक समस्त राजस्व ग्रामों में कार्य प्रारंभ करने तथा शेष कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। अन्यथा की स्थिति में कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी। कार्यदाई संस्था केएसएलआर द्वारा कुछ राजस्व ग्रामों में जमीन की समस्या बताए जाने पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता जल निगम को इस संबंध में यथाशीघ्र संबंधित उप जिला अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर जमीन की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए परियोजनाओं पर कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। आईएसए के कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान अभिनव बाल एवं ग्राम उत्थान समिति द्वारा संतोषजनक प्रगति न पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित एजेंसी के खिलाफ पत्र लिखने के निर्देश दिए। टीपीआई द्वारा किए गए निरीक्षण कार्यों एवं उनके द्वारा बताई गई कमियों पर की गई कार्यवाही की जानकारी लेते हुए जिलाधिकारी ने टीपीआई द्वारा जांच के दौरान दर्शित कमियों को पूर्ण करने के उपरांत ही कार्यदाई संस्थाओं का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश अधिशासी अभियंता जल निगम को दिए।

इसके अलावा टंकी निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण न पाए जाने पर उसे गिराने तथा पुनः टंकी निर्माण करने के निर्देश भी जिलाधिकारी द्वारा दिए गए। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी प्रशांत नागर, अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण सहित समस्त कार्यवाही संस्थाओं के जिला प्रतिनिधि एवं आईएसए के जनपद प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 झांसी कैंट में धूमधाम से मना वार्षिक खेलकूद दिवस 2023

प्रदीप वर्मा जिला संवाददाता झांसी! आज दिनांक 23 ध12ध्2023 को केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 झांसी में वार्षिक खेकूद दिवस का आयोजन किया गया । विद्यालय के खेलकूद एवम व्यायाम शिक्षक पंकज हयारण और विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक एच के साहू , द्वारा कार्यकारी प्राचार्य एवम मुख्य अतिथि एस एम शारिक का पुष्पगुच्छ और श्रीफल से स्वागत किया । प्राचार्य जी के द्वारा खेल दिवस प्रारंभ करने की उद्घोषणा की । इस अवसर पर रंगारंग कार्यक्रम और योग प्रदर्शन के साथ ही खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । 100,मीटर ,200 मीटर ,400 मीटर की दौड़ ,रिले दौड़ बालक –बालिकाओं के लिए हुई जो सदनवार हुई । मुख्यातिथि एवम प्राचार्य द्वारा विजेता प्रतिभागियों को मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया । अशोक सदन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए । खेलकूद चौंपियन की ट्रॉफी हासिल की। ट्रॉफी सदन कप्तान साहिल परिहार , संगम कुमारी और सदन प्रभारी सुश्री आरती शर्मा तथा अन्य सदस्यों को प्रदान की गई । मुख्यातिथि ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को खेल भावना से खेलते हुए निरंतर सभी क्षेत्रों में अग्रणी रहने का संदेश दिया ।श्री पंकज हयारण द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया ।इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षकों और कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा ।

विशेषकर दीपक त्रिपाठी , ममता सिंह गोरधन सिंह , आर वी कुरील ,प्रेमप्रकाश सिंह , रामानुज यादव ,आशीष कुमार ,अभिनव शर्मा ,अतुल द्विवेदी , ओ पी मिश्रा ,सुश्री आरती शर्मा,सुश्री कोमल ,श्री ए के शर्मा ने कार्यक्रम में विशेष योगदान दिया ।

गुंडा एक्ट के तहत 10 लोग 6 माह के लिए जिलाबदर

संवाददाता

मऊ। जिला मजिस्ट्रेट अरुण कुमार द्वारा उ0प्र0 गुंडा एक्ट नियंत्रण अधिनियम की धारा 3(1)के तहत कार्यवाही करते हुए 10 लोगों को 6 माह के लिए जिलाबदर करने का आदेश जारी किया गया, जिसमें अंकित पांडेय पुत्र रामलीला पाण्डेय निवासी ओन्हाईच थाना सरायलखंसी जनपद मऊ, सिद्धार्थ कुमार राम पुत्र संजय कुमार राम निवासी खालिसपुर थाना सरायलखंशी जनपद मऊ, प्रिंस सिंह पुत्र बृजेश सिंह सा0 भदीड थाना मोहम्मदाबाद गोहना जनपद मऊ, राजकुमार पुत्र परमहंस निवासी घोड़ा दलाल की बारी थाना दक्षिण टोला जनपद मऊ, मो0 कासिम पुत्र सईद अहमद निवासी अलीनगर बड़ी कम्हारिया थाना कोतवाली नगर जनपद मऊ, कैलाश उर्फ लोहा पुत्र गणेश हरिजन निवासी खत्रीपार थाना घोसी जनपद मऊ, अरविंद यादव पुत्र चंद्रदेव यादव निवासी भेड़ियाधर थाना चिरैयाकोट जनपद मऊ, गिरिजा प्रसाद पुत्र स्वर्गीय सहदेव सा0 दौलसेपुर थाना रानीपुर जनपद मऊ, महेंद्र पुत्र गिरिजा प्रसाद सा0 दौलसेपुर थाना रानीपुर जनपद मऊ, विरेंद्र पुत्र गिरिजा प्रसाद सा0 दौलसेपुर थाना रानीपुर जनपद मऊ शामिल हैं। इन सभी अभियुक्तों के खिलाफ जनपद के विभिन्न थानों में कई अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। जिला मजिस्ट्रेट ने जिला बदर के दौरान इन पर कड़ी नजर रखने एवं जनपद की सीमा के अंदर प्रवेश न करने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश पुलिस अधीक्षक को दिए।

आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त पैमाइश के 12 प्रकरणों समेत अब तक 129 प्रकरणों में कार्यवाही

सांवाददाता।

मऊ। जिलाधिकारी अरुण कुमार के निर्देश पर उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा 24 एवं 67 के तहत पारित आदेशों के अनुपालन, अवैध विद्युत कनेक्शन के खिलाफ कार्रवाई, आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त पैमाइश के प्रकरणों में कार्रवाई तथा सड़कों के किनारे अवैध अतिक्रमण के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान आज 17वे दिन धारा 24 एवं 67 के 35 आदेशों का मौके पर अनुपालन कराया गया। इसके अलावा आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त पैमाइस के 12 प्रकरणों में कार्रवाई हेतु टीमों को भेजा गया। सड़कों के किनारे अवैध अतिक्रमण के खिलाफ आज कुल 44 अवैध अतिक्रमण हटाए गए। अब तक धारा 24 के कुल चिन्हित लंबित प्रकरण 429 के सापेक्ष 249 तथा धारा 67 के कुल चिन्हित लंबित प्रकरण 385 के सापेक्ष 127 आदेशों का मौके पर अनुपालन किया जा चुका है। इस प्रकार धारा 24 एवं 67 के तहत अब तक कुल 376 आदेशों का मौके पर अनुपालन सुनिश्चित किया जा चुका है। आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त पैमाइश के कुल लंबित 163 प्रकरण के सापेक्ष अब तक विशेष अभियान के दौरान कुल 128 प्रकरणों कार्यवाही की गई है। सड़कों के किनारे अवैध अतिक्रमण अभियान में आज कुल 44 अवैध अतिक्रमण हटाए गए। विशेष अभियान के दौरान अब तक कुल 1190 अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। इसी प्रकार अवैध विद्युत कनेक्शन के विरुद्ध अभियान में आज कुल 131 कनेक्शन की चेकिंग के दौरान 12 कनेक्शन अवैध पाए गए तथा 5.11 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा 39 कनेक्शन विच्छेदन की कार्रवाई की गई। इस प्रकार अब तक कुल 3578 कनेक्शन की चेकिंग के दौरान 562 कनेक्शन अवैध पाए गए तथा 135.58 लाख रुपए का जुर्माना लगाने की कार्रवाई भी की गई। जिलाधिकारी अरुण कुमार ने इस विशेष अभियान से जुड़े समस्त अधिकारियों को अभियान तेजी लाते हुए निर्धारित समय सीमा के अंदर आदेशों का मौके पर अनुपालन तथा अवैध अतिक्रमण एवं विद्युत कनेक्शन के खिलाफ कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

पुलिस की मिलीभगत से हो रहा अवैध मिट्टी का खनन

कोपागंज, मऊ। जिला मुख्यालय से महज 12 किमी दूर कोपागंज क्षेत्र के गांवों में विगत कई माह से मिट्टी का अवैध खनन जोरों पर हैं। जहां खनन कारोबारी प्रतिदिन अलग–अलग स्थानों पर दिन के उजाले और रात के अंधेरे के बीच खनन कर मिट्टी ट्रैक्टर ट्रालियों में भरकर दूसरे जगहों पर ले जाते हैं।

25 दिसंबर तक कराएं अपने अधीनस्थ कर्मचारियों का डाटा मानव संपदा पोर्टल पर फीड करे अन्यथा वेतन नहीं होगा जारी

– मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से देय होगा वेतन

संवाददाता।

मऊ। वरिष्ठ कोषाधिकारी संध्या अग्रहरि की अध्यक्षता में मानव संपदा पोर्टल पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों का डाटा फीड होने के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान वरिष्ठ कोषाधिकारी द्वारा बताया गया कि अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के अनुपालन में माह दिसंबर 2023 का वेतन जो 01 जनवरी 2024 को देय होगा, वह मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से ही जारी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समस्त आहरण वितरण अधिकारी यह सुनिश्चित कर लें कि दिसंबर माह के दिनांक 25 तक सभी आहरण वितरण अधिकारी अपने अधीनस्थ कर्मचारियों का डाटा मानव संपदा के पोर्टल पर फीड करा लें, अन्यथा माह दिसंबर का वेतन दिया जाना संभव नहीं होगा। यह निर्णय शासन द्वारा लिया गया है। उन्होंने बताया कि सर्विस बुक को मानव संपदा पोर्टल पर ई सर्विस बुक के रूप में परिवर्तित करते हुए सभी प्रकार के अवकाश एवं एसीपी आदि अन्य सेवा संबंधी कार्यों का निस्तारण 01 जनवरी 2024 से मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से ही किया जाएगा। वर्ष 2023–24 की वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से ही ऑनलाइन दाखिल की जाएगी। स्थानांतरण की स्थिति में कार्य मुक्त किए जाने एवं कार्यभार ग्रहण करने की कार्रवाई भी मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। इसके अलावा उन्होंने बताया कि सभी आहरण वितरण अधिकारी अपने रिपोर्टिंग कार्यालय के ऑफिस एडमिन आईडी या डाटा एंट्री ऑपरेटर के लॉगिन आईडी से मानव संपदा के रिपोर्ट ऑप्शन द्वारा पोस्टिंग लिस्ट निकालकर सुनिश्चित कर लें कि उनके सभी कर्मचारी पोस्टिंग लिस्ट में सम्मिलित हैं या नहीं, लिस्ट में किसी भी प्रकार की कमी होने पर मानव संपदा की व्यवस्था के अनुसार डाटा अपडेट किया जाएगा।

रिक्त पद के लिए जिला न्यायालय तथा कलेक्ट्रेट न्यायालय के सेवानिवृत कर्मचारी करें आवेदन

मऊ। अपर जनपद न्यायाधीशध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अभिनय कुमार मिश्रा ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मऊ में पूर्णकालिक सचिव के सहवर्ती स्टाफ आशुलिपिक के 01 पद पद तथा अर्दली के 01 पद पर जिला न्यायालय अथवा कलेक्ट्रेट न्यायालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को निर्धारित मानदेय कमशः रूपया 10730ध्– व रूपया 8350ध्– प्रतिमाह पर अनुबन्धित कर कार्य कराया जायेगा।

अस्थमा एवं श्वांस के निःशुल्क जांच शिविर में दर्जनों मरीजों का हुआ उपचार

मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ । कस्बा के मोहल्ला नाजोपट्टी स्थित जैनब मेमोरियल अस्पताल में शुक्रवार को अस्थमा एवं सांस निशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया इसमें क्षेत्र के विभिन्न मोहल्लों एवं गांव से आए मरीजों की निःशुल्क जांच के बाद उन्हें दवाइयां भी वितरित की गईं। अस्पताल प्रबंधन की तरफ से आयोजित जांच शिविर में अंसार नगर, जमीन बरामदपुर नाजोपट्टी के अलावा बनियापार बरहदपुर खैराबाद आदि गांव से दर्जनों मरीज अस्थमा से संबंधित कैंप में पहुंचे। मौजूद डॉक्टर ने जांच के बाद दवाइयां उचित परामर्श के साथ दवाइयां दिया। रोग के लक्षण एवं रोकथाम के उपाय भी बताया। डॉक्टर रेहान बारी ने शिविर में आए लोगों को बताया कि अस्थमा के लक्षण हर मरीज में अलग हो सकते हैं, हालांकि, कुछ ऐसे लक्षण भी हैं, जो सर्दी के मौसम में आम होते हैं, जैसे–सांस लेने में दिक्कत, सीने में जकड़न या दर्द और खांसी। अस्थमा के कुछ मरीज खांसी, नाक में कंजेशन, नाक बहना, गले की खराश और बलगम जमने जैसी दिक्कत से भी जूझते हैं। इसके अलावा फ्लू जैसे लक्षण भी मरीजों को काफी परेशान करते हैं। ऐसे में इस तरह के लक्षण दिखने पर फौरन डॉक्टर को दिखाएं। अस्थमा एवं श्वांस से संबंधित मरीजों को बचाव का उपाय बताते हुए कहा कि फ्रिज का पानी, ठंडी और बासी चीजों का सेवन कदापि न करें। सर्दी से बचाव के सभी जरुरी उपाय जैसे गर्म कपड़े पहनना, धूप आने से पहले बाहर नहीं निकलना, कमरों के भीतर बैठने के बजाय धूप में बैठना आदि को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। धूप में विटामिन डी प्रचुर मात्रा में होता है और यह जनरल बूस्टर का कार्य करते हुए शरीर की इम्यूनिटी क्षमता को बढ़ाता है। इसके अलावा ग्रसित मरीज दवा का सेवन नियमित तौर पर करें। अस्पताल के प्रबंधक हाजी मुमताज अहमद ने बताया कि अस्थमा मरीजों की रोकथाम उपचार के लिए अस्पताल में महीने के आखिरी शुक्रवार को निःशुल्क जांच शिविर का शुभारंभ किया गया है अब यह हर महीने के आखिरी शुक्रवार को निरंतर चलता रहेग। इस अवसर पर अस्पताल के सभी चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे।

बुन्देलखण्ड राज्य निर्माण के विरोधी सांसदों को चूड़ियां, बिंदी, महावर एवं काला झंडा किया भेंट

झाँसी । बुन्देलखण्ड निर्माण मोर्चा के अध्यक्ष भानू सहाय के नेतृत्व में 8 सांसदों को रजिस्टर्ड डाक से चूड़ियां, बिंदी, महावर एवं काले झंडे को लिफाफे में रखकर ष जो बुंदेलखंड का नहीं वो किसी काम का नहीं ष के नारे लगाकर भेजा गया। भानु सहाय ने कहा की इन आठ सांसदों ने बुंदेलखंड की शौर्य गाथाओं को नकार कर खून पतला होने की कहावत को चरितार्थ किया हैं।

गत लोकसभा (2014) चुनाव में झांसी–ललितपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सुश्री. उमा भारती, राजनाथ सिंह एवं प्रधानमंत्री ने बुन्देलखण्ड राज्य 3 साल के भीतर बनवा देने का वादा बुन्देलखण्ड की जनता ने किया था। 3 साल की जगह 9 साल 9 माह पूरे हो गए है परंतु हमीरपुर सांसद को छोडकर किसी भी अन्य बुंदेली सांसद ने अपने नेताओ को वादा पूरा करने की बात नहीं कही। इसी प्रकार अमित शाह ने कहा था कि बुन्देलखण्ड में अवैध खनन बंद कर दिया जाए तो हर बुन्देली को एक मारुति कार मिल जाएगी। ऐसा झूठ बोलकर अमित शाह ने बुंदेलियों की आस को चोट पहुँचाने का कार्य किया है। संसद का कार्यकाल पूरा होने को हैं पर इन आठ सांसदों क्रमशः भानू वर्मा, विष्णु दत्त शर्मा, अनुराग शर्मा, वीरेंद्र खटीक, प्रह्लाद पटेल, राज बहादुर सिंह, आर.के.पटेल, श्रीमती संध्या राय ने बुन्देलखण्ड की दो करोड़ जनता की भावनाओं का अनादर कर राज्य निर्माण का समर्थन नहीं कर अन्याय किया है।

सांसद सत्र समाप्त हो जाने के बाद बुन्देलखण्ड निर्माण मोर्चा के अध्यक्ष भानू सहाय के नेतृत्व में इन आठों सांसदों के प्रति बुंदेलिओं का सब्र अब टूटता जा रहा है 2024 के चुनाव में इसका खामियाजा सरकार को भुगतना पड़ेगा। आठ सांसदों को चूड़ियां भेजने वालों में एडवोकेट अशोक सक्सैना महामंत्री , रघुराज शर्मा प्रवक्ता, वरूण अग्रवाल कोषाध्यक्ष , हमीदा अंजुम, गिरजा शंकर राय, अनिल कश्यप जिलाध्यक्ष , प्रदीप झा, हनीफ खान, कलाम कुरैशी, नरेश वर्मा, प्रदीप गुर्जर, प्रेम सपेरा ,शंकर रायकवार, राजू सैन , मो शफीक, बादशाह कुरेशी, नूरजहां, आकाश दुबे टीकमगढ़ आदि उपस्थित रहे।

रालोद ने किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह की जयन्ती मनायी

झाँसी द्य बेतवा भवन स्थित राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश सचिव डॉ अनिल कुमार त्रिपाठी के मुख्य आतिथ्य में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयन्ती मनायी गयी। बेतवा भवन में स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्वा सुमन अर्पित किये गये। डॉ अनिल त्रिपाठी ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने अपना संपूर्ण जीवन भारतीयता और ग्रामीण परिवेश की मर्यादाओं में जिया। वो भारत के किसान नेता और पांचवे प्रधानमंत्री थे। उन्होंने अपने जीवन में समाज के हित में दृढ निश्चिय कर कई निर्णय लिये। वहीं युवा राष्ट्रीय लोकदल के क्षेत्रीय अध्यक्ष नीरज पटेल ने कहा कि उनके ही द्वारा लेखपाल के पद का सृजन किया गया तथा जमींदारी उन्मूलन विधेयक राज्य के कल्याणकारी सिद्वान्त पर आधारित समाज के हित में लागू किया और गरीबों के अधिकारों को उनको दिया गया।

राष्ट्रीय लोकदल प्रदेश सचिव अशोक निरंजन ने कहा कि उनका जीवन किसानों और गरीबों के बीच व्यतीत हुआ और यहीं के परिवेश में चौधरी चरण सिंह के नन्हें हृदय में गांव–गरीब–किसान के शोषण के खिलाफ संघर्ष का बीजारोपण हुआ। गांधी जी के साथ वे अनेकों आन्दोलन में शामिल हुए और जेल गये और अंग्रेज हुकुमत को बार–बार चुनौती दी। जेल में ही चौधरी चरण सिंह जी ने शिष्टाचार नामक भारतीय संस्कृति और समाज के शिष्टाचार के नियमों पर एक बहुमूल्य पुस्तक लिखी जो आज भी समाज के शिष्टाचार के नियमों का एक बहुमूल्य दस्तावेज मानी जाती है। उन्होंने किसानों के हित में अनेकों निर्णय लिये इसलिये उन्हें किसानों का मसीहा पुकारा गया। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता रालोद अजय रावत, पूर्व बुंदेलखंड अध्यक्ष राष्ट्रीय लोक दल पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ राकेश कुशवाहा, राहुल जोशी,जयशंकर यादव, लोकेंद्र सिंह पटेल, अनिल यादव, सुरेश हाजीपुरा, गौरी शंकर पटेल सहित आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

'थाना जीआरपी कर्वी टीम द्वारा ट्रेनों स्टेशनों में चोरी करने वाला 01 शातिर मोबाइल चोर गिरफ्तार

प्रदीप वर्मा जिला संवाददाता झांसी! पुलिस अधीक्षक रेलवे, झाँसी विपुल कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में चोरी/लूट/जहर खुरानी की घटनाओं पर अंकुश लगाये जाने हेतु निरन्तर चल रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपाधीक्षक रेलवे, झाँसी नईम खाँन मंसूरी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक त्रिपुरेश कौशिक जीआरपी थाना कर्वी टीम द्वारा दिनांक 23.12.2023 को रेलवे स्टेशन चित्रकूट धाम कर्वी से 01 शातिर मोबाइल चोर अतुल निषाद की गिरफ्तारी करते हुयेजिसके कब्जे से 01अदद एन्ड्रायड मोबाइल फोन बरामद (अनुमानित कीमत करीब 10 हजार रूपये) गिरफ्तार अभियुक्त अतुल निषाद पुत्र विजलेश निषाद निवासी– ग्राम कोलुहा थाना– मऊजिला– चित्रकूट उ0प्र0।

मजदूरों का शोषण, पूरी मजध्दूरी नहीं भ्रष्टाचार की पराकाष्टा

प्रदीप वर्मा जिला संवाददाता झांसी! रेलवे के ठेकेदारों के साथ 17–18 वर्षो से जिन मजदूरों ने अपना जीवन खपा दिया आज उनकी रोजी रोटी पर बन आयी है। आज उनके शोषण की कहानी सुन कर पूर्व केन्द्रीय ग्रमीण विकास राज्यमंत्री की आंखें भर आयीं। प्रदीप जैन ने कहा कि इन मजदूरों ने अपनी व्यथा बड़ी अजीबों गरीब है और यह व्यथा केन्द्रीय श्रम आयुक्त को भी सुनना चाहिए और दोषियों को दण्ड दिया जाना चाहिए। मजध्दूरों ने बताया कि ठेकेदार हो या रेल प्रशासन दोनों मिल कर उनका शोषण कर रहे हैं। उनकी समस्या कोई सुनने वाला नहीं है।मजदूरों ने बताया कि जितने दिन वो काम करते हैं उतने दिन का उनको वेतन नहीं मिलता है। वेतन मिलता भी है तो न्यूनतम वेतन का भुगतान नहीं किया जाता है और सैकड़ों की सख्या में मजदूरों को इस वजह से हटा दिया गया कि ठेकेदार का कहना है कि जितना पैसा वो दे रहा है उतने पैसे पर काम करो, न्यूनतम वेतन की बात नहीं करो। एक मजदूर ने बताया कि उसको काम पर लगाने के लिए सुपरवाईजर को सतरह हजार रूपये दिए तब काम पर लगाया। ऐसे जाने कितने मजदूर हैं जिनसे रूपया लेकर उनको काम पर लगाया गया। ऐसे मामलों की जांच होना चाहिए। मजदूरों ने बताया कि उन को साठ प्रतिशत बोनस का भुगतान किया। 18 माह का बोनस का भुगतान अभी उनको नहीं मिला है। अभी भी साठ प्रतिशत बोनस को वापस किये जाने के लिए उनसे कहा जा रहा है। मजदूरों ने बताया कि उनसे जबरन चंदा लिया जाता है। प्रदीप जैन आदित्य ने कहा कि मजदूरों के साथ जो ठेकेदार या प्रशासन अन्याय कर रहा है वो अन्याय मजदूरों के साथ किसी को भी करने नहीं दिया जायेगा। इन अन्यायों को रोकने के लिए संधर्ष करेंगे। उन्होंने कहा कि हम गांधीवादी तरीका अपना कर हम अपना पक्ष रखेंगे और किसी के हाथ के काम को किसी को छीनने नहीं दिया जायेगा। इस मौके पर अफजाल हुसैन, अखलाक मकरानी, मजहर अली, अनिल रिछारिया, शफीक अहमद मुन्ना, प्रीति श्रीवास, राजकुमार फौजी, हरिओम श्रीवास उपस्थित रहे।

संपादकीय

मिमिक्री तो देश की

मुद्दा यह है कि दूरगामी महत्त्व के बेहद महत्त्वपूर्ण विधेयकों को बिना पूरी संसदीय निगरानी एवं पड़ताल के पास कर दिया गया और उसी समय देश को मिमिक्री के बहस में उलझाए रखा गया। क्या देश का इससे बड़ा कोई और मखौल उड़ाया जा सकता है? थोक भाव से विपक्षी सांसदों को दोनों सदनों निकाले जाने के बाद संसद परिसर में तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी उसका वीडियो बनाते देखे गए। और इसके साथ ही सत्ता पक्ष को तमाम दूसरे मुद्दों से ध्यान भटकाने का बहाना मिल गया। तो उप–राष्ट्रपति के संवैधानिक पद, जाट और किसान सबके कथित अपमान के मुद्दे उछाल दिए गए। यहां तक कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने धनखड़ के समर्थन में बयान जारी किया और राज्यसभा में उसकी निंदा के लिए प्रस्ताव भी लाया गया। जवाब में विपक्ष ने प्रधानमंत्री की कुछ पुरानी भाव–भंगिमाओं और बयानों को सोशल मीडिया पर शेयर उन्हें मिमिक्री का उस्ताद बताने की मुहिम छेड़ दी। उधर मेनस्ट्रीम मीडिया ने अपने श्रोता वर्ग को इस बहस में उलझ दिया कि कौन ज्यादा बड़ा मिमिक्रीबाज है। इस बीच संसद ने विपक्ष की गैर–हाजिरी में भारतीय दंड संहिता और साक्ष्य संहिताओं के नए तीन विधेयक पारित कर दिए। साथ ही लोकसभा ने टेलीकॉम बिल को मंजूरी दे दी। जाहिर है, इन सभी विधेयकों को बिना पर्याप्त संसदीय जांच–परख के पास कर दिया गया है, जबकि इनका प्रभाव देश के हर नागरिक पर पड़ेगा। मानव अधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने पारित भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता के बारे में कहा है कि इनसे भारत में अभिव्यक्ति की आजादी के खिलाफ कार्रवाइयों में और बढ़ोतरी ही होगी। थिंक टैंक इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन (आईएफएफ) ने कहा है कि नए कानूनों से कोई सुधार होना तो दूर, उनसे सरकार का नियंत्रण और सख्त होगा। आईएफएफ ने दूरसंचार विधेयक के बारे में कहा है कि इसके जरिए नई पैकेजिंग में औपनिवेशिक अतीत को प्रस्तुत किया गया है। इस बिल में निगरानी और इंटरनेट को सस्पेंड करने जैसे सरकार के सारे अधिकार बरकरार रखे गए हैं। तो मुद्दा यह है कि दूरगामी महत्त्व के इतने महत्त्वपूर्ण विधेयकों को बिना पूरी संसदीय निगरानी एवं पड़ताल के पास कर दिया गया और उसी समय देश को मिमिक्री के बहस में उलझाए रखा गया। क्या देश का इससे बड़ा कोई और मखौल उड़ाया जा सकता है?

कांग्रेस को सब नसीहत दे रहे हैं

पांच राज्यों में से चार में चुनाव हारने के बाद कांग्रेस की स्थिति ऐसी हो गई है कि हर नेता उसको नसीहत दे रहा है। हर नेता उस पर सवाल उठा रहा है और कोई उसकी बात मानने को तैयार नहीं है। विपक्षी गठबंधन श्इंडियाच्च की बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ईवीएम को लेकर एक प्रस्ताव मंजूर कराना चाहा लेकिन विपक्षी पार्टियों ने ऐसा नहीं होने दिया। लेकिन ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री पद के लिए मल्लिकार्जुन खडगे के नाम का प्रस्ताव दे दिया। यह सिर्फ कांग्रेस को घेरने की ममता और अरविंद केजरीवाल की रणनीति थी। वहां जब प्रस्ताव ठुकरा दिया गया तब भी दो दिन तक मीडिया से बातचीत में ममता कहती रहीं कि उन्हें खुशी है कि खडगे विपक्ष का चेहरा बनेंगे। वे इतने पर नहीं रूकी हैं। उन्होंने कांग्रेस को अब एक नई सलाह दे दी है। उन्होंने कहा है कि प्रियंका गांधी वाड्रा को वाराणसी लोकसभा सीट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लडना चाहिए। सोचें, उनसे यह सलाह किसने मांगी थी? अगर ममता को उनकी पार्टी प्रधानमंत्री पद का दावेदार मानती है तो ममता क्यों नहीं खुद वाराणसी से जाकर लड़ जाती हैं या पीएम बनने की महत्वाकांक्षा पाले हुए अरविंद केजरीवाल जब 2014 में वाराणसी लडने गए थे तो इस बार फिर क्यों नहीं जाकर वहां से चुनाव लड़ते हैं? बहरहाल, समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव ने भी कांग्रेस को सलाह दी है कि वह पहले तय करे कि उत्तर प्रदेश में किसके साथ लड़ेगी, बसपा के साथ या कांग्रेस के साथ।

ट्रंप क्या चुनाव भी लड़ पाएंगे ?

क्या कॉलोराडो के फैसले से डोनाल्ड ट्रंप की व्हाईट हाऊस की राह कठिन हो गई है? एक घटनाक्रम में, जो चौंकाने वाला है भी और नहीं भी, कॉलोराडो ने अपने सर्वोच्च न्यायालय के जरिये डोनाल्ड ट्रंप के राज्य में अगले वर्ष का राष्ट्रपति चुनाव लडने पर प्रतिबंध लगयाहै। राज्य के सर्वोच्च न्यायाधीशों का यह निर्णय अमरीका के चुनावी इतिहास में अभूतपूर्व है। उनके फैसले के अनुसार 6 जनवरी को केपीटोल में बलपूर्वक घुसने के घटनाक्रम के दौरान ट्रंप का व्यवहार 14वें संशोधन के तीसरे अनुच्छेद का उल्लंघन है एवं उन्हें राज्य के विरुद्ध विद्रोह करने के कारण चुनाव लडने का हक नहीं है। ट्रंप के वकीलों ने इसे तुरंत चुनौती दी। अब इस मामले की सुनवाई अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय में होगी और उसका फैसला आने तक कॉलोरोडो में ट्रंप की उम्मीदवारी वैध रहेगी। आखिर यह 14वां संशोधन क्या है जो ट्रंप के राष्ट्रपति बनने की आकांक्षा में बाधक बन गया है? 14वां संशोधन गृहयुद्ध के बाद कॉन्फेडरेट सांसदों को कांग्रेस में आने से रोकने के लिए लागू किया गया था। राष्ट्रपति चुनाव में कभी इसका उपयोग नहीं किया गया। अमेरिका और सारी दुनिया के बहुत से लोगों को कुछ समय के लिए ही सही, मगर हर्षित और रोमांचित करने वाली इस खबर से एक बड़ा श्लेकिन्च जुड़ा हुआ है। पहली बात तो यह है कि अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय में कंजरवेटिवों के जबरदस्त बहुमत के चलते संभावना यही है कि ट्रंप का रास्ता रोकने का कॉलोराडो का प्रयास सफल नहीं हो सकेगा। हालांकि यह भी हो सकता है कि अन्य राज्य कॉलोराडो की राह पर चलकर ट्रंप के प्रायमरीज में भाग लेने पर रोक लगा दें। दूसरे, भले ही ट्रंप को धक्का पहुंचा हो परंतु अमरीका की जनता उन्हें समर्थन देने के मूड में है।श्न्यूयार्क टाईम्स्च द्वारा करवाए गए एक सर्वे के अनुसार आधे से ज्यादा अमेरिकी इजराइल–हमास युद्ध में राष्ट्रपति जो बाइडन की भूमिका से नाखुश हैं। सर्वे में 57 प्रतिशत लोगों ने कहा कि बाइडन ने युद्ध के मामले में जो किया वे उसका समर्थन नहीं करते। एक अन्य सर्वे के अनुसार, 46 प्रतिशत मतदाताओं का कहना है ट्रंप इस पूरे मसले को बेहतर ढंग से हैंडल करते। केवल 38 प्रतिशत मतदाता ट्रंप की तुलना में बाइडन पर अधिक भरोसा करने को तैयार हैं। कुल मिलाकर चुनावी दौड़ में ट्रंप, बाइडन से दो प्रतिशत आगे हैं। यह अंतर बहुत ज्यादा नहीं है परंतु इस तथ्य के प्रकाश में कि ट्रंप के खिलाफ 91 आपराधिक मामलों में कार्यवाही चल रही है, यह मामूली सा अंतर भी निराशा पैदा करने वाले है। और हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि ट्रंप अपने लिए निगेटिव को अपने लिए सुपर पॉजिटिव में बदलने की कला के चौंपियन हैं। ट्रंप ने एक नैरेटिव बनाया है जिसके अनुसार वे जोरो (एक काल्पनिक चरित्र जो हमेशा मॉस्क पहने रहता है और आम लोगों की मदद करता है) की तरह हैं, जिस पर डीप स्टेट हमलावर है। यह नैरेटिव बेहूदा और बकवास है परंतु ऐसा लगता है कि बड़ी संख्या में ट्रम्प समर्थक उसे सही मानते हैं।

जन अदालत में भाजपा की जीत के मंत्र बने मोदी की गारंटी और मोदी है तो मुमकिन है

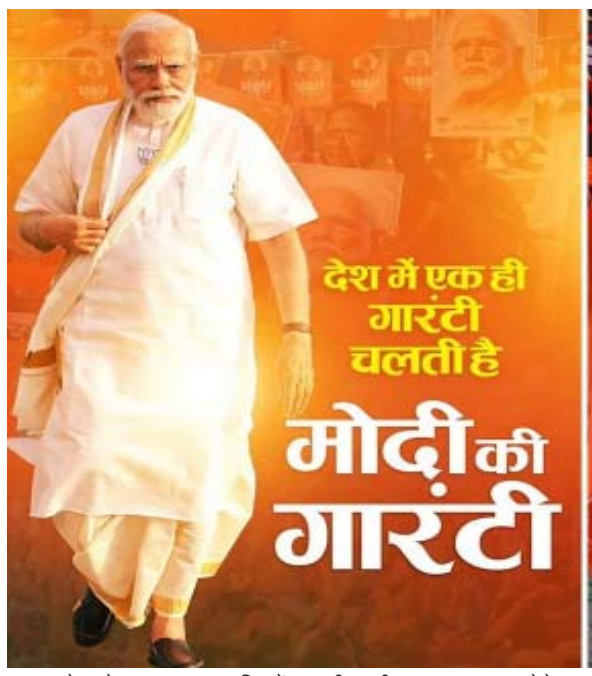

जन अदालत में मोदी की गारंटी पर जनता की लगती मुहर। मोदी के वायदों पर जनता का तेजी से दृढ़ होता विश्वास। देश का बड़ा वर्ग कहने लग गया मोदी कर रहे हैं भारत का बिना भेदभाव के सर्वांगीण विकास। देश के पांच राज्यों में हाल ही में विधानसभा चुनाव संपन्न हुए हैं, जिसके परिणामस्वरूप पांच में से तीन राज्यों में प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनी है। भाजपा ने राजस्थान व छत्तीसगढ़ राज्य कांग्रेस पार्टी से छीनकर के सरकार बनाने का कार्य किया है और मध्यप्रदेश राज्य को अपने पास बरकरार रखने कार्य बखूबी किया, वहीं तेलंगाना राज्य में भी भाजपा के वोट प्रतिशत में रिकार्ड वृद्धि हुई है। हालांकि इन तीनों राज्यों में मतदान से कुछ माह पूर्व तक आलम यह था कि वहां पर कांग्रेस पार्टी की सरकार बनती हुई नजर आ रही थी। लेकिन चुनावी रणभूमि में जहां एक तरफ कांग्रेस पार्टी के चंद राजनेताओं ने जीती हुई बाजी को दिन–रात मेहनत करके पार्टी को हारने का काम बखूबी किया। वहीं भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने समय रहते ही स्थिति को भांप करके पूरे चुनाव को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम के इर्द–गिर्द करते हुए ष्मोदी की गारंटीष् के दम पर हारी–बाजी को जीत में बदलने का काम किया है। चुनाव परिणाम आने के बाद से ही भाजपा में जबरदस्त जश्न का माहौल जारी है, वहीं देश के अन्य विपक्षी राजनीतिक दलों में बैठकों का दौर चल रहा है। लेकिन मुझे लगता नहीं यह सभी विपक्षी दल अभी भी विधानसभा चुनावों की हार का निष्पक्ष रूप से आंकलन करते हुए अपने–अपने गिरेबान में झांकने के लिए तैयार हैं, वह तो अभी भी अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ कर के अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ने के मूड में नजर आ रहे हैं। मोदी के विपक्ष में खड़े राजनीतिक दलों में से यह कोई भी दल समझने के लिए तैयार नहीं है कि अब उन्हें आत्ममंथन करने की जरूरत है। लेकिन वह आत्ममंथन की जगह ईवीएम को ढाल बनाकर उसके पीछे छिपने का कार्य कर रहे हैं। ष्हालांकि इन विधानसभा के चुनावों में जनता ने विपक्षी दलों के साथ–साथ भाजपा के शीर्ष नेतृत्व, संघ व एनडीए गठबंधन के अन्य सहयोगियों को भी स्पष्ट संदेश दे दिया है कि मोदी की गारंटी आज चुनावी जीत का सबसे कारगर मंत्र है, जनता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीति, नियत, नेतृत्व व काम करने की शैली बेहद पसंद है। वैसे देखा जाए तो प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी के बहुत सारे ऐसे निर्णय हैं जोकि इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए दर्ज हो गए हैं, जनता को भी मोदी के निर्णय बेहद पसंद आते हैं, क्योंकि नरेन्द्र मोदी ने लोगों के दशकों से इंतजार कर रहे बहुत सारे सपनों को अपने कार्यकाल में धरातल पर अमलीजामा पहना कर साकार करके दिखा दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने फैसलों से देश की दुनिया में तस्वीर बदलने व भारत के आम व खास जनमानस की तकदीर को बदलने का काम बखूबी किया है। उन्होंने अभी तक देश में सड़कों, हाइवे व एक्सप्रेसवे का जाल बिछाना, देश की सीमाओं पर सड़कों का जाल बिछाना, सेना को अत्याधुनिक हथियारों से लैस करना, देश के अलग–अलग हिस्सों में एम्स हॉस्पिटल का निर्माण करना, देश के हर क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर को विश्वस्तरीय स्तर का मजबूत करना, बंदरगाहों व रेलवे का कायाकल्प करना, देश को हवाई मार्ग से जोड़ने के लिए नये हवाई अड्डे बनाना, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लोगों को बड़ी संख्या में घर उपलब्ध करवाना, जन–धन खाते खुलवाने, हर घर जल योजना, श्रमेक इन इंडियाश अभियान की शुरुआत करना, स्वच्छ भारत अभियान चलाना, डिजिटल इंडिया की शुरुआत करना, देश में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान चलाना, काले धन पर अंकुश लगाने के लिए नोटबंदी लागू करना, जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाना, तीन तलाक विधेयक लाना, सीएए कानून लाना, जीएसटी लागू करना, कोरोना से बचाव के लिए देश में दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाना, देश की बड़ी आबादी को मुफ्त राशन प्रदान करना, लोगों को मुफ्त इलाज प्रदान करने वाली आयुष्मान भारत योजना धरातल पर लागू करना, रेहड़ी पटरी वालो के लिए पीएम स्वनिधि योजना लाना, स्टार्टअप इंडिया योजना के माध्यम से देश के युवाओं के सपनों को साकार करते हुए विकास को गति देना, अग्निपथ योजना, चंद्रमा के साउथ पोल पर चंद्रयान को भेजना, ळ20 सम्मेलन की मेजबानी करना, विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना, महिला आरक्षण विधेयक आदि वह चंद ऐतिहासिक फैसले है जो कि हमेशा के लिए इतिहास के पन्नों में दर्ज होकर के देश के एक बहुत बड़े वर्ग के लोगों के दिलो–दिमाग पर छा गये हैं। इन फैसलों के दम पर ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज दुनिया में भारत की छवि मजबूत हुई है। जिसके चलते ही देश की जनता भी अब राष्ट्रहित में स्थिर, स्थायी और सेवाभाव से समर्पित सरकार के लिए जनादेश देना का कार्य कर रही है। लेकिन विपक्षी दल अब भी उत्तर–दक्षिण भारत का राग अलाप के नकारात्मक राजनीति करने में व्यस्त हैं। वहीं भाजपा में अबकी बार 400 पार सीट लाने की ठोस रणनीति बनाई जा रही हैं। वह मोदी की गारंटी व देश की बहुसंख्यक चार जाति गरीब, महिला, युवा और किसान की बात करके देश से जातिवादी राजनीति का सफाया करते हुए लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी बड़े पैमाने पर धरातल पर कर रही है। वैसे भी आज देश एक ऐसा बड़ा वर्ग है जिनक मानना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मो बहुत तेजी के साथ अत्याधुनि मजबूत भारत की नींव रखते हु बुलंद इमारत बनाने का कार्य बखू कर रहे हैं, जिसके चलते ही दे और विदेश के निवेशकों को अ भारत मैं व्यापार के नये–नये अवस दिखाई दे रहे हैं, जिससे ही देश क आर्थिक ताकत तेजी बढ रही है, व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस आर्थि ताकत के दम देश की अर्थव्यवस्थ को फाइव ट्रिलियन डॉलर की बना में जुटे हुए हैं साथ ही मोदी अर्थव्यवस्थ को केवल आंकड़ों तक सीमित न रखकर के देशवासियों के रोजम के जीवन में धरातल पर आमूलचू सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए उपयोग कर रहे हैं,

लोक लुभावन घोषणाओं का भविष्य क्या है ?

अजीत द्विवेदी

पांच राज्यों के चुनाव नतीजों की कई अलग अलग पहलुओं से व्याख्या हो चुकी है। नतीजों से उठा गुबार थमने के बाद सभी मुद्दों और पार्टियों की ओर से किए तमाम राजनीतिक उपायों पर बात हुई है। लेकिन ऐसा लग रहा है कि लोक लुभावन घोषणाओं का मुद्दा पीछे छूट गया है। पांच राज्यों के चुनाव नतीजों में एक मध्य प्रदेश के छोड़ दें, जहां भाजपा की जीत का श्रेय मुख्य रूप में लाड़ली बहना योजना को दिया जा रहा है तो बाकी चार राज्यों के नतीजों में मुफ्त की चीजें या सेवाएं बांटने की घोषणाओं का असर नहीं देखा जा रहा है। हो सकता है कि हर राज्य में नतीजों पर किसी न किसी स्तर तक इन घोषणाओं या गारंटियों का भी असर हुआ हो लेकिन यह पक्के तौर पर कहा जा सकता है कि लोक लुभावन घोषणाओं ने नतीजों को बड़े पैमाने पर प्रभावित नहीं किया है। मई में कर्नाटक के चुनाव नतीजों के बाद यह दावा किया गया था कि कांग्रेस की पांच गारंटियों ने उसे चुनावी जीत दिलाई लेकिन यह बात भी आंशिक रूप से ही सही थी। कांग्रेस की जीत के कई राजनीतिक और सामाजिक कारण भी थे।

तभी सवाल है कि लोक लुभावन घोषणाओं, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्मुफ्त की रेवड़ीच्च कहा था उसका भविष्य क्या है? आगे भी पार्टियां वैसे ही अनाप–शनाप घोषणाएं करती रहेंगी, जैसी इस साल के चुनावों में की हैं या उनकी रफ्तार धीमी होगी? गौरतलब है कि श्मुफ्त की रेवड़ीच्च की जो राजनीति अभी हो रही है उसका नया दौर अरविंद केजरीवाल ने शुरू किया है। हालांकि पहले भी लोक लुभावन घोषणाएं होती थीं लेकिन बहुत सीमित होती थीं और आमतौर पर चुनाव दूसरे मुद्दों पर लड़ा जाता था। सरकारों के कामकाज, भ्रष्टाचार, मंहगाई के साथ साथ विचारधारा का मुद्दा भी होता था। लेकिन पिछले कुछ बरसों से भाजपा विरोधी पार्टियों के लिए बाकी मुद्दे हाशिए में चले गए हैं और मुफ्त की चीजों की घोषणाएं सबसे मुख्य हो गई हैं। अब ऐसा लग रहा है कि इसमें बदलाव आना शुरू हो रहा है। हालांकि ज्यादातर राजनीतिक विश्लेषक इसे अभी स्वीकार नहीं करेंगे और पार्टियां भी अगले कुछ चुनावों तक मुफ्त की चीजों की घोषणा करती रहेंगी लेकिन यह बहुत स्मार्ट राजनीति नहीं होगी। क्योंकि जो पार्टी इसकी मात्रा घटाएगी और दूसरे मुद्दों को इससे जोड़ेगी उसे फायदा होगा। जैसे इस बार भाजपा ने मुफ्त की चीजों के साथ दूसरे एजेंडे जोड़ कर चुनाव जीते।

तभी चुनाव नतीजों के बाद भाजपा मुफ्त की चीजों की घोषणाओं पर अमल की जल्दी में नहीं है। मिसाल के तौर पर मध्य प्रदेश में लाड़ली बहना योजना के तहत 10 दिसंबर को महिलाओं के खाते में साढ़े 12 सौ रुपए की रकम पहुंचनी चाहिए थी। शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया एक्स पर याद भी दिलाया था कि श्आज 10 तारीख हैच लेकिन उसके कई दिन बाद भी राज्य सरकार ने महिलाओं के खाते में रकम ट्रांसफर करने की जल्दी नहीं दिखाई। उलटे नई सरकार ने एक आदेश जारी करके कुछ महिला समूहों को इस योजना से बाहर करने की पहल की है। विपक्षी पार्टियां इसकी आलोचना कर रही हैं। दूसरी ओर राज्य सरकार शिवराज सिंह चौहान की ओर से घोषित योजनाओं की बजाय मोदी की गारंटी पर फोकस कर रही हैं। मोदी ने महिलाओं को सशक्त बना कर लखपति बनाने, उन्हें आवास देने और सस्ता सिलेंडर देने की गारंटी दी थी। मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार सिर्फ इसी की बात कर रही है। हालांकि संभव है कि लाड़ली बहना योजना चलती रहे लेकिन रकम बढ़ा कर तीन हजार प्रति महीना तक ले जाने की कोई संभावना नहीं दिख रही है।

इसी तरह जिन पांच राज्यों में पुरानी पेंशन योजना लागू की गई है उनमें सिर्फ एक में इसे आंशिक रूप से लागू किया गया है। हिमाचल प्रदेश में करीब साढ़े पांच सौ कर्मचारियों को आखिरी वेतन के 50 फीसदी के बराबर पेंशन देने की घोषणा हुई है। वहां एक हजार करोड़ का प्रावधन भी किया गया है। लेकिन बाकी चार राज्यों में इस पर अमल नहीं हुआ है। अब दो राज्यों– राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सरकार भी बदल गई है। सो, इन दोनों राज्यों में पुरानी पेंशन योजना लागू होने पर संशय के बादल मंडरा रहे हैं। वैसे कांग्रेस की सरकार ने भी इसे लागू नहीं किया था। छत्तीसगढ़ की पिछली कांग्रेस सरकार का दावा था कि राज्य के कर्मचारियों का 17 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा पीएफआरडीए के माध्यम से एनएसडीएल में जमा है। वह लौटाया जाए तभी पुरानी पेंशन योजना शुरू होगी। राजस्थान सरकार का कहना था कि एनपीएस के तहत पेंशन पा रहे कर्मचारियों ने सेवाकाल में एनपीएस से जो पैसे निकाले हैं उसे लौटाएं तभी पुरानी पेशन योजना शुरू होगी। झारखंड सरकार का भी यही तर्क है। पंजाब की आम आदमी पार्टी ने भी पुरानी पेंशन योजना की अधिसूचना जारी कर दी है लेकिन किसी को पैसे नहीं मिल रहे हैं।हालांकि कुछ योजनाओं पर अमल हो गया है। जैसे कई राज्यों में मुफ्त में दो सौ या तीन सौ यूनिट बिजली दी जा रही है। पानी मुफ्त में देने की घोषणा पर अमल हो रहा है। महिलाओं को बसों में मुफ्त यात्रा की योजना लागू हो गई है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की सरकारों ने महिलाओं के खाते में पैसे डालने भी शुरू कर दिए हैं। लेकिन इस तरह की योजनाओं के बगैर भी भाजपा की जीत ने विपक्ष को भी सोचने पर मजबूर किया है। वे भाजपा से लडने के लिए कोई बड़ा नैरेटिव खड़ा करें या मुफ्त की चीजों और सेवाओं की घोषणा पर निर्भर होकर चुनाव लड़ें? उन्हें मुफ्त की चीजों की घोषणाओं के साथ साथ देश या राज्यों की आर्थिक सेहत के बारे में भी लोगों को बताना होगा क्योंकि भाजपा यह मुद्दा बना रही है कि श्मुफ्त की रेवड़ीच्च की वजह से राज्यों की आर्थिक सेहत खराब हो रही है।

विपक्ष के नेता आधे अधूरे तरीके से बताते हैं कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने बड़े कारोबारियों का 10 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ किया है और कॉरपोरेट टैक्स में कटौती की है, जिससे बड़े उद्योगपतियों और कारोबारियों को लाखों करोड़ रुपए का फायदा हुआ है। अगर विपक्ष लोगों को यह यकीन दिलाने का प्रयास करे कि उसकी सरकार बनी तो वह बड़े डिफॉल्टर उद्योगपतियों से वसूली करके आम लोगों को पैसे देगी या सुविधाएं देगी तो उसका बड़ा असर हो सकता है। ध्यान रहे 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले नरेंद्र मोदी ने यहीं नैरेटिव बनाया था। उनके साथ रामदेव और रविशंकर जैसे बाबा लोग भी इसका प्रचार करते थे। रामदेव तो कहते थे कि विदेश में भारत का चार सौ लाख करोड़ रुपया है। विपक्ष को ऐसे झूठ बोलने की जरुरत नहीं है, बल्कि वास्तविकता बतानी है और एक आर्थिक योजना लोगों के सामने रखनी है।

आज का राशिफल

मेष राशि आज आपका दिन फेवरेबल रहने वाला है। आ ऑफिस मैनेजर्स के लिए दिन अच्छा रहेगा। आपके किसी का की तारीफ होगी। अगर आप कंप्यूटर कोर्स ज्वाइन करना चाह है, तो घर से सलाह ले लें। राजनीति से जुड़े लोगों को किर कार्य के लिए सम्मानित किया जायेगा। अगर आप टारगेट बेस वर्क कर रहे हैं, तो आज वो पूरा कर लेंगे। आज आपका स्वास्थ अच्छा रहेगा। वकील आज कचहरी का अधूरा काम पूरा कर लेंगे

' शुभ रंग– लाल

' शुभ अंक– 9

वृष राशिरू आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज विद्यार्थि का पढ़ाई में मन लगेगा। अपनी आर्थिक स्थिति के हिसाब से ख करें। आज ऑफिस में कोई नया प्रोजेक्ट मिल सकता है। दाम्पत जीवन में भरपूर मधुरता बनी रहेगी, आप अपने परिवार के बी सुखद समय व्यतीत करेंगे। फैशन डिजाइनर को किसी कस्टम से अच्छा लाभ होगा। किसी दोस्त से फोन पर लम्बी बातची चलेगी, अपना व्यवहार लचीला रखें।

' शुभ रंग– हरा

' शुभ अंक– 7

मिथुन राशि आज का दिन बढिया रहने वाला है। नर्सिंग के छात्र को सीनियर्स से कुछ नया सीखने को मिलेगा। किसी काम क लेकर आज भागदौड़ करनी पड़ सकती है। ऑफिस में आप काम की तारीफ होगी। दांपत्य रिश्ते में खुशियां आयेंगी, रिश्ते नयापन महसूस करेंगे। परिवार में किसी की तरक्की से उत्सव क माहौल बनेगा। आज बुजुर्गों के साथ समय बिताये, उन्हें काप अच्छा लगेगा। इलेक्ट्रॉनिक के कारोबारियों का काम अच्छ चलेगा, आय में वृद्धि होगी।

' शुभ रंग– बैंगनी

' शुभ अंक– 4

कर्क राशिरू आज आपका दिन अच्छा रहेगा। प्रतियोगी परिक्ष की तैयारी में लापरवाही न करें। बच्चों के लिए दिन खुशनुम बनेगा, आज पार्क घूमने जायेंगे। आज ऑफिस में अपने काम प फोकस करेंगे। आज पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी। लवमेट क उनकी पसंद का ड्रेस गिफ्ट कर सकते हैं। मानसिक उलझनों छुटकारा मिलेगा। बिसनेसमैन सोच–समझकर इन्वेस्टमेंट करे सरकारी विभाग के कर्मचारियों को पदोन्नति मिलेगी।

' शुभ रंग– पीला

' शुभ अंक– 3

सिंह राशि आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज घ में सुख– समृद्धि बढ़ेगी। आज स्कूल टीचर से आपकी मुलाका होगी। दोस्तों के साथ शाम में कॉफी पीने का प्लान बनाएंगे। आ रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। अगर आप कहीं घूमने जा रहे तो जरुरी सामान रख लें। आपके दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी आपके सोशल मीडिया पर फोल्लोवर्स बढ़ेंगे। ड्राईफ्रूट्स के कारोबारि की अच्छी सेल से ज्यादा इनकम होगी।

' शुभ रंग– नीला

' शुभ अंक– 9

कन्या राशिरू आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपक नई जॉब के योग बन रहे हैं। किसी बात को लेकर आपक उलझन खत्म होंगी। कोई दोस्त आपसे आर्थिक रूप से मद मांग सकता है। ऑफिस के काम से बाहर जा सकते हैं। पेट क समस्या से परेशान लोग ऑयली फूड अवॉयड करें। आज भाई–बहन में अच्छी बॉन्डिंग बनी रहेगी। आज आपकी ओवर इनकम होगी आज ऑफिस में आपको बेस्ट एम्प्लाइज का आवार्ड मिल सकत है।

' शुभ रंग– गुलाबी

' शुभ अंक– 1

तुला राशि आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। आ आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा। आज स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई लापरवाही न करें। आज आप नया वाहन ले सकते हैं। रह वाला है।

' शुभ रंग– पिच

' शुभ अंक– 5

वृश्चिक राशिरू आज आपका दिन मिला जुला रहेगा। बिसनेसमै किसी दूसरी कंपनी के साथ पार्टनरशिप कर सकते हैं। आ स्टूडेंट कॉलेज प्रोजेक्ट को बनाने में बिजी रहेंगे।

ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट से लगा बड़ा झटका, अयोग्य करार मामले में फास्ट ट्रैक सुनवाई से इनकार

सुप्रीम कोर्ट के पास ट्रम्प द्वारा चुने गए तीन न्यायाधीशों सहित 6–3 कंजर्वेटिव बहुमत है। 2024 में रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के प्रबल दावेदार 77 वर्षीय ट्रम्प पर डेमोक्रेट जो बाइडेन द्वारा जीते गए नवंबर 2020 के चुनाव को पलटने की साजिश रचने के आरोप में 4 मार्च, 2024 को मुकदमा चलाया जाना है। संयुक्त राज्य अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के इस दावे को सुनने से इनकार कर दिया कि उन्हें अभियोजन से छूट प्राप्त है, जिससे संभावित रूप से उनके 2020 के चुनाव हस्तक्षेप मुकदमे में देरी हो सकती है। विशेष वकील जैक स्मिथ ने अपील की निचली अदालत को दरकिनार करते हुए सुप्रीम कोर्ट से छूट मामले की जल्द से जल्द सुनवाई करने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट के पास ट्रम्प द्वारा चुने गए तीन न्यायाधीशों सहित 6–3 कंजर्वेटिव बहुमत है। 2024 में रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के प्रबल दावेदार 77 वर्षीय ट्रम्प पर डेमोक्रेट जो बाइडेन द्वारा जीते गए नवंबर 2020 के चुनाव को पलटने की साजिश रचने के आरोप में 4 मार्च, 2024 को मुकदमा चलाया जाना है। ट्रम्प के वकीलों ने बार–बार अगले साल के चुनाव तक मुकदमे में देरी करने की मांग की है, जिसमें यह दावा भी शामिल है कि एक पूर्व राष्ट्रपति को पूर्ण छूट प्राप्त है और व्हाइट हाउस में रहने के दौरान उनके द्वारा किए गए कार्यों के लिए उन पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता है। ट्रम्प के मार्च मुकदमे की अध्यक्षता करने वाली अमेरिकी जिला न्यायाधीश तान्या छुटकन ने 1 दिसंबर को छूट के दावे को खारिज कर दिया, यह कहते हुए कि एक पूर्व राष्ट्रपति के पास आजीवन जेल से मुक्त होने का पास नहीं है। उन्होंने कहा कि कमांडर इन चीफ के रूप में प्रतिवादी की चार साल की सेवा ने उसे अपने साथी नागरिकों को नियंत्रित करने वाली आपराधिक जवाबदेही से बचने के लिए राजाओं का दैवीय अधिकार प्रदान नहीं किया। ट्रम्प के वकीलों ने छुटकन के फैसले के खिलाफ डीसी सर्किट के लिए अमेरिकी अपील न्यायालय में अपील की और विशेष वकील स्मिथ ने सुप्रीम कोर्ट से मामले में हस्तक्षेप करने और खुद सुनवाई करने के लिए कहा। स्मिथ ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल एक याचिका में कहा कि यह मामला हमारे लोकतंत्र के मूल में एक बुनियादी सवाल पेश करता है। क्या एक पूर्व राष्ट्रपति को पद पर रहते हुए किए गए अपराधों के लिए संघीय अभियोजन से पूरी तरह से छूट है। उन्होंने कहा कि यह सर्वोपरि सार्वजनिक महत्व है कि प्रतिवादी के प्रतिरक्षा के दावों को यथासंभव शीघ्रता से हल किया जाए और यदि प्रतिवादी प्रतिरक्षा नहीं है, तो उसे इन आरोपों पर निष्पक्ष और त्वरित सुनवाई मिले।अपील अदालत में 9 जनवरी को सुनवाई सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्मिथ के अनुरोध को अस्वीकार करने के साथ, अपील अदालत अब पहले प्रतिरक्षा मामले की सुनवाई करेगी। रिचमंड विश्वविद्यालय के कानून प्रोफेसर कार्ल टोबियास ने कहा कि इससे मार्च परीक्षण की तारीख को बनाए रखना मुश्किल हो सकता है। टोबियास ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पिछले चार वर्षों में 19 मामलों में फास्ट–ट्रैक अपील पर सहमत हुआ था और यह स्पष्ट नहीं था कि न्यायाधीशों ने यहां ऐसा करने से इनकार क्यों किया था। ट्रम्प ने सुप्रीम कोर्ट के कदम का स्वागत किया और कहा कि वह अपील अदालत के समक्ष अपनी दलीलें पेश करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने चुनाव जीतने के अपने निराधार दावों को दोहराते हुए कहा कि मैं राष्ट्रपति था, 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली और चोरी की जांच करना और उस पर बोलना मेरा अधिकार और कर्तव्य था। डीसी अपील अदालत ने 9 जनवरी के लिए बहस निर्धारित की है और इसका फैसला अंततः सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसका वर्तमान सत्र जून में समाप्त होगा।

अमेरिका कर चोरी के मामले में भारतीय मूल के 'टीआरपी' को दो साल की जेल

जॉर्जिया के दक्षिणी जिले के अटॉर्नी जिल ई. स्टेइनबर्ग ने बताया कि जॉर्जिया राज्य के स्टेट्सबोरो निवासी पटेल को कर चोरी का दोषी करार दिए जाने के बाद 19 दिसंबर को सुजा सुनाई गई। अमेरिका में करदाताओं को रिटर्न भरने में मदद करने वाले (ट्रैक्स रिटर्न प्रीपेरर या टीआरपी) भारतवंशी समीर पटेल को अपना कर नहीं देने के मामले में दो साल कारावास की सजा सुनाई गई है। अदालत ने 56 वर्षीय पटेल को छह लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 4.98 करोड़ रुपये) का कर भुगतान करने और 95 हजार डॉलर (करीब 79 लाख) रुपये का जुर्माना देने का भी आदेश दिया है। जॉर्जिया के दक्षिणी जिले के अटॉर्नी जिल ई. स्टेइनबर्ग ने बताया कि जॉर्जिया राज्य के स्टेट्सबोरो निवासी पटेल को कर चोरी का दोषी करार दिए जाने के बाद 19 दिसंबर को सुजा सुनाई गई। जॉर्जिया के दक्षिणी जिले के अर्टानी कार्यालय ने एक बयान में बताया कि यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जे रैंडल हाल ने दो साल की सजा पूरी करने के बाद पटेल को तीन साल तक निगरानी में भी रखने का आदेश दिया है। कार्यालय द्वारा मंगलवार को जारी बयान के मुताबिक संघीय प्रणाली के तहत सजा की अवधि के दौरान पटेल को पैरोल भी नहीं मिलेगा।

अमेरिका में हिंदू मंदिर पर हमला, दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखे गए

फाउंडेशन ने जोर देकर कहा कि घटना की जांच घृणा अपराध के रूप में की जानी चाहिए और कहा कि नेवार्क पुलिस विभाग और न्याय विभाग नागरिक अधिकार प्रभाग को इसके बारे में सूचित किया गया था। अमेरिका के कैलिफोर्निया में खालिस्तानी समर्थक नारों के साथ एक हिंदू मंदिर को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। घटना न्यूआर्क शहर की है। तस्वीरों में मंदिर की दीवार पर भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नफरत भरे नारे लगे हुए हैं। फाउंडेशन ने जोर देकर कहा कि घटना की जांच घृणा अपराध के रूप में की जानी चाहिए और कहा कि नेवार्क पुलिस विभाग और न्याय विभाग नागरिक अधिकार प्रभाग को इसके बारे में सूचित किया गया था। सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने स्वामीनारायण मंदिर वासना संस्था को विरूपित करने की निंदा की और कहा कि इसने अमेरिकी अधिकारियों पर त्वरित जांच और उपद्रवियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई के लिए दबाव डाला है। सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक्स पर लिखा कि हम कैलिफोर्निया के नेवार्क में एसएमवीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर को भारत विरोधी भित्तिचित्रों से विरूपित करने की कड़ी निंदा करते हैं। इस घटना ने भारतीय समुदाय की भावनाओं को आहत किया है। हमने अमेरिकी अधिकारियों द्वारा तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ त्वरित जांच और त्वरित कार्रवाई के लिए दबाव डाला है। यह पहली बार नहीं था जब अमेरिका में किसी हिंदू मंदिर को विरूपित किया गया था। ऐसी घटनाएं देश के साथ–साथ पड़ोसी देश कनाडा में भी पहले हो चुकी हैं। हाल ही में कनाडा के सरे शहर में एक मंदिर में आधी रात को चरमपंथियों ने तोड़फोड़ की थी।

फ्रांस ने नाइजर से सैन्य वापसी की प्रक्रिया पूरी की, राजनयिक मिशन अनिश्चित समय के लिए बंद

जुलाई में तख्तापलट के बाद देश के सैन्य शासन ने फ्रांस के साथ संबंध समाप्त कर दिए थे। फरांस ने इस सप्ताह घोषणा की थी वह नाइजर में अपने राजनयिक मिशन को ''अनिश्चित समय'' के लिए बंद कर देगा।फ्रांस ने शुक्रवार को नाइजर से अपने सैनिकों को वापस बुलाने की प्रक्रिया पूरी कर ली। नाइजर के नए जुंटा (सैन्य) प्रशासन ने फ्रांस से अपने सैनिकों को देश से वापस बुलाने को कहा था। फ्रांस के सैनिकों की वापसी के साथ ही वर्षों से नाइजर को मिल रही जमीनी सैन्य मदद का अंत हो गया। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में जिहादी हिंसा के खिलाफ लड़ाई में व्यवधान आएगा। फ्रांसीसी सेना के जनरल स्टाफ ने ईमेल द्वारा 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) को बताया कि फ्रांसीसी सैनिकों को लेकर जाने वाला आखिरी विमान सैन्य शासन द्वारा तय समय सीमा के मुताबिक 22 दिसंबर को नाइजर से रवाना हो गया। जुलाई में तख्तापलट के बाद देश के सैन्य शासन ने फ्रांस के साथ संबंध समाप्त कर दिए थे। फरांस ने इस सप्ताह घोषणा की थी वह नाइजर में अपने राजनयिक मिशन को ''अनिश्चित समय'' के लिए बंद कर देगा।फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बृहस्पतिवार को जॉर्डन में एक सैन्य अड्डे के दौरे के दौरान कहा कि देश साहेल में शामिल रहेगा। उन्होंने कहा, ''हम वहां अपने हितों की रक्षा करना जारी रखेंगे लेकिन हमारी सेनाएं स्थायी रूप से वहां मौजूद नहीं होंगी, उनकी उपस्थिति कम या सीमित होगी।'' ाइजर के जुंटा प्रशासन ने फ्रांस के साथ सैन्य सहयोग की समाप्ति को देश के लोगों के लिए ''एक नए युग'' की शुरुआत बताया। जुंटा प्रशासन ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, ''नाइजर मजबूती से खड़ा है और हमारी मातृभूमि की सुरक्षा अब विदेशी उपस्थिति पर निर्भर नहीं होगी।

अयोग्य ठहराये गये एवं जेल में बंद इमरान ने आठ फरवरी को होने वाले चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया

पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) द्वारा घोषित संशोधित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, संभावित उम्मीदवार रविवार तक अपना नामांकन पत्र जमा कर सकते हैं। नामांकन पत्रों की जांच 24 से 30 दिसंबर तक होगी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने आठ फरवरी के आम चुनाव के लिए शुक्रवार को पंजाब प्रांत स्थित अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र मियांवाली में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। अयोग्य ठहराये गये और जेल में बंद 71–वर्षीय खान को इस साल पांच अगस्त को तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराया गया था, जिसके बाद उन्हें पांच साल के लिए कोई भी चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया था। पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक खान ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की, लेकिन उन्हें वहां से राहत नहीं मिली और उसके बाद उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया। क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान को शीर्ष अदालत से जमानत तो मिल गई, लेकिन वह दो अन्य मामलों में गिरफ्तारी के कारण जेल में बंद हैं। जियो न्यूज के अनुसार, शुक्रवार को पीटीआई नेता उमर बोडला पूर्व प्रधानमंत्री की ओर से नेशनल असेंबली के निर्वाचन क्षेत्र 'एनए–89' के लिए खान का नामांकन पत्र जमा कराया। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) द्वारा घोषित संशोधित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, संभावित उम्मीदवार रविवार तक अपना नामांकन पत्र जमा कर सकते हैं। नामांकन पत्रों की जांच 24 से 30 दिसंबर तक होगी।

भारतीय यात्रियों से भरे विमान को फ्रांस ने रोका, मानव तस्करी का शक, कई अधिकारी भी फ्लाइट में मौजूद

फ्रांसीसी अधिकारियों ने शुक्रवार को ष्मानव तस्करीष के संदेह में 300 से अधिक भारतीय यात्रियों को लेकर निकारागुआ जाने वाले एक चार्टर्ड विमान को रोक दिया। पूर्वी मार्ने क्षेत्र के स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि यात्रा की शर्तों और उद्देश्यों की न्यायिक जांच शुरू कर दी गई है। फ्रांसीसी अधिकारियों ने शुक्रवार को ष्मानव तस्करीष के संदेह में 300 से अधिक भारतीय यात्रियों को लेकर निकारागुआ जाने वाले एक चार्टर्ड विमान को रोक दिया। पूर्वी मार्ने क्षेत्र के स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि यात्रा की शर्तों और उद्देश्यों की न्यायिक जांच शुरू कर दी गई है। इस बीच, पेरिस में भारतीय दूतावास को रोमानियाई कंपनी लीजेंड एयरलाइंस द्वारा संचालित उड़ान ।340 की स्थिति के बारे में सूचित किया गया, जो दुबई से निकारागुआ की ओर जा रही थी। निकारागुआ जाने वाले विमान हादसे के बारे में दस तथ्य मार्ने प्रीफेक्ट के कार्यालय के अनुसार, फ्रांस ने 303 भारतीय यात्रियों को लेकर निकारागुआ जाने वाले एयरबस ए340 विमान को रोक दिया, जो दुबई से रवाना हुआ था और गुरुवार दोपहर को पुलिस के हस्तक्षेप के बाद तकनीकी ठहराव के लिए छोटे वैट्री हवाई अड्डे पर उतरा। इस विमान का संचालन रोमानियाई कंपनी लीजेंड एयरलाइंस द्वारा किया जाता है। पेरिस सार्वजनिक अभियोजन कार्यालय के अनुसार, अधिकारियों को एक गुमनाम मुखबिर से सूचना मिली थी और संगठित अपराध में विशेषज्ञता वाली एक इकाई मानव तस्करी के संदेह की जांच कर रही है और पूछताछ के लिए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। फ्रांसीसी मीडिया के मुताबिक, विमान में ईंधन भरना बाकी था और इसमें 303 भारतीय नागरिक सवार थे जो संभवतरू संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में काम कर रहे थे।फ्रांस में उतरने के बाद, यात्रियों को पहले विमान में रखा गया, लेकिन फिर बाहर निकाल दिया गया और टर्मिनल भवन में अलग–अलग बिस्तर दिए गए। पूरे हवाईअड्डे को पुलिस ने घेर लिया था।फ्रांसीसी प्रशासन के अनुसार, यात्रियों को छोटे वैट्री हवाई अड्डे के मुख्य हॉल में स्थानांतरित कर दिया गया और गुरुवार को उनके लिए रात भर रुकने की व्यवस्था की गई।मार्ने क्षेत्रीय प्रशासन के एक अधिकारी के अनुसार, यात्री और चालक दल छोटे वैट्री हवाई अड्डे में रहेंगे, जहां जांच जारी रहने तक वे शुक्रवार को दूसरी रात कैंप खाट पर बिताएंगे। फ्रांस में भारतीय दूतावास की टीम ने ग्राउंडेड विमान के यात्रियों तक कांसुलर पहुंच प्राप्त कर ली है और मामले की जांच कर रही है, साथ ही विमान में सवार लोगों की भलाई सुनिश्चित कर रही है। एक विशेष फ्रांसीसी संगठित अपराध इकाई, सीमा पुलिस और विमानन जेंडरमेस के जांचकर्ता मामले पर काम कर रहे हैं। लीजेंड एयरलाइंस की ओर से अभी तक कोई टिप्पणी नहीं आई है। कंपनी की वकील लिलियाना बकायोको ने फ्रांसीसी मीडिया को बताया कि कंपनी मानव तस्करी में किसी भी भूमिका से इनकार करती है और फ्रांसीसी अधिकारियों के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है। उन्हें उम्मीद है कि विमान अगले कुछ दिनों में अपने रास्ते पर आ सकता है।उन्होंने कहा कि एक ग्राहक, जिसकी वह पहचान नहीं बताती, ने विमान किराए पर लिया था और वह प्रत्येक यात्री के पहचान दस्तावेजों को सत्यापित करने के लिए जिम्मेदार था। उन्होंने कहा, ग्राहक ने उड़ान से 48 घंटे पहले यात्री की जानकारी एयरलाइन को दी।

वैगनर ग्रुप की बढ़ती ताकत से चिंतित थे पुतिन, इस आदमी को दिया था प्रिगोझिन की हत्या का आदेश!

येवगेनी प्रिगोझिन और अन्य शीर्ष वैगनर कमांडर अगस्त में मारे गए थे जब उनके विमान में विस्फोट हुआ था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि निकोलाई पेत्रुशेव ने विद्रोह से पहले ही येवगेनी प्रिगोझिन को लंबे समय से एक खतरे के रूप में देखा था।वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्लूएसजे) ने पश्चिमी खुफिया और एक पूर्व रूसी खुफिया अधिकारी के हवाले से खबर दी है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के राइट हैंड माने जाने वाले देश के सुरक्षा परिषद सचिव निकोलाई पेत्रुशेव ने वैगनर भाड़े के समूह के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन की हत्या का आदेश दिया था। येवगेनी प्रिगोझिन और रूस के रक्षा मंत्री के बीच बढ़ती बयानबाजी से पहले वैगनर समूह यूक्रेन युद्ध के दौरान रूसी सेना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था, जिसके परिणामस्वरूप जून 2023 में रूस में एक संक्षिप्त विद्रोह

का प्रयास हुआ जिसने क्रेमलिन की नींव को हिला दिया। बेलारूस के अलेक्जेंडर लुकाशेंको द्वारा उन्हें और उनकी वैगनर सेना को अपने देश में आने की अनुमति देने के समझौते के बाद येवगेनी प्रिगोझिन ने मास्को तक अपना तथाकथित न्याय मार्च अचानक समाप्त कर दिया। येवगेनी प्रिगोझिन और अन्य शीर्ष वैगनर कमांडर अगस्त में मारे गए थे जब उनके विमान में विस्फोट हुआ था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि निकोलाई पेत्रुशेव ने विद्रोह से पहले ही येवगेनी प्रिगोझिन को लंबे समय से एक खतरे के रूप में देखा था क्योंकि उन्हें वैगनर बॉस की शीर्ष रूसी सैन्य अधिकारियों की खुली आलोचना मंजूर नहीं थी और उन्हें चिंता थी कि उन्होंने बहुत अधिक शक्ति हासिल कर ली है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि निकोलाई पेत्रुशेव राष्ट्रपति के रूप में अपने समय की शुरुआत से व्लादिमीर पुतिन के अधीन काम किया है और रूस में दूसरे सबसे शक्तिशाली व्यक्ति हैं। उन्होंने विद्रोह के बाद येवगेनी प्रिगोझिन को दंडित करने का फैसला किया।

पाकिस्तान की अदालत से इमरान खान को राहत, सिफर मामले में पूर्व प्रधानमंत्री और उनके सहयोगी की जमानत मंजूर

डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष अदालत ने पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) नेताओं को प्रत्येक को 10 लाख रुपये के जमानत बांड जमा करने का भी निर्देश दिया। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को राहत देते हुए पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राज्य के रहस्यों के कथित रिसाव से संबंधित सिफर मामले में उनके और करीबी सहयोगी शाह महमूद कुरेशी की जमानत को मंजूरी दे दी। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष अदालत ने पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) नेताओं को प्रत्येक को 10 लाख रुपये के जमानत बांड जमा करने का भी निर्देश दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति सरदार तारिक मसूद की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ द्वारा जारी किया गया था जिसमें न्यायमूर्ति अतहर मिनल्लाह और सैयद मंसूर अली शाह शामिल थे। मामला इस आरोप पर आधारित है कि पिछले साल मार्च में पाकिस्तान दूतावास द्वारा भेजे गए एक राजनयिक दस्तावेज को 71 वर्षीय खान और 67 वर्षीय कुरैशी ने गलत तरीके से संभाला था और उन्होंने देश के गुप्त कानूनों का उल्लंघन किया था। हालाँकि, खान जेल में ही रहेंगे क्योंकि उन्हें तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराया गया है। संघीय जांच एजेंसी के आरोप पत्र में आरोप लगाया गया है कि दस्तावेज खान द्वारा कभी वापस नहीं किया गया। पीटीआई लंबे समय से मानती रही है कि दस्तावेज में खान को प्रधान मंत्री पद से हटाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से धमकी दी गई थी। 13 दिसंबर को मामले में खान और कुरेशी को दूसरी बार दोषी ठहराए जाने के बाद विशेष अदालत (आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम) ने पिछले हफ्ते अदियाला जिला जेल में नए सिरे से सुनवाई शुरू की थी।

4 साल से लापता भारतीय लड़की को अचानक क्यों खोज रही है अमेरिकी खुफिया एजेंसी, जानकारी देने वाले को साढ़े आठ लाख रुपये देगी

एफबीआई ने चार साल पहले लापता हुई 29 वर्षीय भारतीय छात्रा मयूशी भगत की तलाश तेज कर दी है और उसके ठिकाने के बारे में जानकारी देने वाले को 10,000 डॉलर (8.32 लाख रुपये) तक का इनाम देने की पेशकश की है।एफबीआई ने चार साल पहले लापता हुई 29 वर्षीय भारतीय छात्रा मयूशी भगत की तलाश तेज कर दी है और उसके ठिकाने के बारे में जानकारी देने वाले को 10,000 डॉलर (8.32 लाख रुपये) तक का इनाम देने की पेशकश की है। उन्हें आखिरी बार 29 अप्रैल, 2019 को रंगीन पायजामा पैंट और काली टी–शर्ट पहने जर्सी सिटी में अपने अपार्टमेंट से बाहर निकलते देखा गया था। उनके परिवार ने 1 मई, 2019 को उनके लापता होने की सूचना दी, लेकिन कोई भी एजेंसी आज तक उन्हें ढूंढ नहीं पाई। अब एफबीआई मायुषी की तलाश में जनता की मदद मांग रही है। एफबीआई ने कहा कि किसी को भी भगत, उनके ठिकाने या उनके लापता होने के बारे में जानकारी हो, तो उन्हें एफबीआई नेवार्क या जर्सी सिटी पुलिस विभाग को फोन करना चाहिए। पिछले सप्ताह जारी बयान में कहा गया, ष्उसके स्थान या उसकी बरामदगी के बारे में जानकारी देने पर उन्हें 10,000 डॉलर तक का इनाम मिल सकता है। मयूशी भगत का जन्म जुलाई 1994 में भारत में हुआ था। वह छात्र वीजा पर अमेरिका में थी। सैकड़ों अन्य भारतीय छात्रों की तरह मयूशी ने भी टेक में करियर बनाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा की। 2016 में, उन्होंने न्यू हैम्पशायर विश्वविद्यालय में दाखिला लिया और बाद में न्यूयॉर्क इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में स्थानांतरित हो गईं। एफबीआई ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि वह अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू बोलती है। कई जासूसों के अनुसार, न्यू जर्सी के साउथ प्लेनफील्ड में उसके दोस्त हैं। भगत की लंबाई 5श्10श्श बताई गई है, उसके बाल काले और आंखें भूरी हैं। वह 2016 में थ1 छात्र वीजा पर संयुक्त राज्य अमेरिका आई थी। उसे पिछले साल एफबीआई की सर्वाधिक वांछित अपहरणकर्ताओं और लापता व्यक्तियों की सूची में शामिल किया गया था। पिछले साल जुलाई में, एफबीआई ने भगत को ष्लापता व्यक्तियोंष की सूची में शामिल किया था और जनता से उनके बारे में जानकारी के लिए सहायता मांगी थी। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, मायुषी के पिता ने 1 मई की रात 12.30 बजे व्हाट्सएप के जरिए उनसे चौट की थी। उसने कहा कि वह ठीक थी लेकिन वह ष्परेशान नहीं होना चाहती थी।ष हालाँकि, वह कभी घर नहीं लौटी। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) चार साल पहले न्यू जर्सी से लापता हुई भारत की 29 वर्षीय छात्रा के बारे में जानकारी देने वाले को 10,000 डॉलर तक का इनाम दे रही है।

पाकिस्तान की चोटिल खिलाड़ियों की समस्या जारी, नोमान अली बची हुए आस्ट्रेलिया श्रृंखला से बाहर

पाकिस्तानी टीम के बयान के अनुसार, ''नोमान अली ने कल अचानक पेट में तेज दर्द की शिकायत की जिसके बाद उनकी जांच की गयी और स्कैन में पता चला कि यह दर्द 'अपेंडिक्स' के कारण हो रहा है। ''पाकिस्तान के स्पिनर नोमान अली 'अपेंडिक्स' दर्द की वजह से हुई सर्जरी के कारण आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के बचे हुए हिस्से से बाहर हो गये। नोमान अली इस तरह दो दिन के अंदर दौरा करने वाली पाकिस्तानी टीम से बाहर होने वाले दूसरे खिलाड़ी बने। अली पिछले हफ्ते पर्थ में पहले टेस्ट में नहीं खेले थे जिसमें पाकिस्तान को 360 रन से हार मिली थी। उनकी शनिवार को मेलबर्न में 'अपेंडिसाइटिस' के लिए सर्जरी करायी गयी।पाकिस्तानी टीम के बयान के अनुसार, ''नोमान अली ने कल अचानक पेट में तेज दर्द की शिकायत की जिसके बाद उनकी जांच की गयी और स्कैन में पता चला कि यह दर्द 'अपेंडिक्स' के कारण हो रहा है। ''बयान के मुताबिक, ''सर्जरी के बाद उनकी हालत स्थिर है और वह ठीक हैं। उन्हें शनिवार को अस्पताल से छुट्टी मिल जायेगी। '' तेज गेंदबाज खुर्रम शहजाद भी गुरुवार को पसली के 'स्ट्रेस फ्रेक्चर' और मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बची हुई श्रृंखला से बाहर हो गये थे, उन्होंने पर्थ में टेस्ट पदार्पण में 128 रन देकर पांच विकेट झटके थे।

भारत की अंडर-19 टीम विश्व कप से पहले त्रिकोणीय श्रृंखला खेलेगी

भारत की अंडर–19 टीम अपना अभियान 29 दिसंबर को अफगानिस्तान की अंडर–19 टीम के खिलाफ शुरु करेगी और फिर दो जनवरी को दक्षिण अफ्रीका अंडर–19 टीम से भिड़ेगी। फाइनल 10 जनवरी को खेला जायेगा। भारत की अंडर–19 टीम अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष अंडर–19 विश्व कप से पहले जोहानिसबर्ग में मेजबान दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला खेलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के बयान के अनुसार त्रिकोणीय श्रृंखला जोहानिसबर्ग में खेली जायेगी जिसमें प्रत्येक टीम एक दूसरे से दो बार आमने सामने होगी। भारत की अंडर–19 टीम अपना अभियान 29 दिसंबर को अफगानिस्तान की अंडर–19 टीम के खिलाफ शुरु करेगी और फिर दो जनवरी को दक्षिण अफ्रीका अंडर–19 टीम से भिड़ेगी। फाइनल 10 जनवरी को खेला जायेगा। अंडर–19 विश्व कप दक्षिण अफ्रीका के ब्लोमफोंटेन में 19 जनवरी से शुरू होगा। भारत को ग्रुप ए में बांग्लादेश, आयरलैंड और अमेरिका के साथ रखा गया है और टीम अपना अभियान 20 जनवरी को बांग्लादेश के खिलाफ शुरू करेगी।

टी 20 वर्ल्ड कप से पहले आंद्रे रसेल का चौंकाने वाला बयान, यूएफसी फाइटर की तरह दिखने की बात कही

त्रिनिदाद में हुए मुकाबले में वेस्टइंडीज की इंग्लैंड पर चार विकेट की जीत के बाद आंद्रे रसेल ने अगले साल टी20 वर्ल्ड कप में यूएफसी फाइटर की तरह दिखने की बात ही है। गुरुवार को त्रिनिदाद में हुए मुकाबले में वेस्टइंडीज की इंग्लैंड पर चार विकेट की जीत के बाद आंद्रे रसेल ने अगले साल टी20 वर्ल्ड कप में यूएफसी फाइटर की तरह दिखने की बात कही है। बता दें कि रसेल पिछले लंबे समय से वेस्टइंडीज की इंटरनेशनल टीम से बाहर चल रहे थे, लेकिन अब उन्होंने वापसी कर ली है और आगामी टी20 वर्ल्ड कप में खेलने के लिए तैयार हैं। आंद्रे रसेल दो साल के बाद वेस्टइंडीज की अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे हैं, उन्होंने आखिरी बार संयुक्त अरब अमीरात में 2021 टी20 कप में वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व किया था। वह ऑस्ट्रेलिया में पिछले साल के टी20 वर्ल्ड कप के लिए उनकी योजनाओं में नहीं थे, जब चयनकर्ता डेसमंड हेन्स ने कहा कि वेस्टइंडीज उनसे आगे बढ़ गया था, लेकिन उनकी उपलब्धता की पुष्टि के बाद उन्हें वापस बुला लिया गया। इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुए टी सीरीज में रसेल दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। रसेल ने मुख्य रूप से डेथ ओवरों में गेंदबाजी की और बल्ले से 169.35 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उन्होंने टीएनटी स्पोर्ट्स पर बातचीत के दौरान कहा, ईमानदारी से कहूं तो वापस आने और वेस्टइंडीज टीम में शामिल होने के लिए कॉल अप मिलना बहुत मायने रखता है। मैं पिछले दो सालों से काम कर रहा हूं कॉल अप का इंतजार कर रहा हूं। बता दें कि, रसेल को उम्मीद है कि वो टी20 वर्ल्ड कप के लिए वेस्टइंडीज टीम का हिस्सा होंगे। इस पर उन्होंने कहा कि, ईमानदारी से कहूं तो मैं बेहतर स्थिति में रहूंगा, मैं एक यूएफसी फाइटर की तरह दिखूंगा।

शतक लगाने के बाद संजू सैमसन का बड़ा खुलासा, कहा– पिछले तीन–चार महीने मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण रहे

साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज जीत के हीरो संजू सैमसन रहे। वहीं संजू सैमसन ने खुलासा किया कि पिछले तीन–चार महीने उनके लिए मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण रहे, लेकिन उन्होंने खुद पर काम करके इसे बरकरार रखा और अपना पहला वनडे शतक बनाकर वापसी की भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे में 78 रनों की बेहतरीन जीत दर्ज की है। इसके साथ ही भारत ने सीरीज अपने नाम भी कर ली है। इस जीत के हीरो संजू सैमसन रहे। जिन्होंने शानदार शतक जड़ कर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई है। वहीं संजू सैमसन ने खुलासा किया कि पिछले तीन–चार महीने उनके लिए मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण रहे, लेकिन उन्होंने खुद पर काम करके इसे बरकरार रखा और अपना पहला वनडे शतक बनाकर वापसी की। भारत में इस साल हुए वनडे विश्व कप के लिये सैमसन टीम में जगह नहीं बना सके थे क्योंकि चयनकर्ताओं ने ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव को तरजीह दी। संजू ने तीसरे वनडे में 78 रन से मिली जीत के बाद कहा ,'' पिछले तीन चार महीने मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण थे। उन सबसे गुजरकर यहां आकर शतक जमाना काफी बड़ी बात है। मैं बहुत खुश हूं।'' सैमसन को एशियाई खेलों के लिये भी टीम में नहीं चुना गया था। सैमसन ने कहा ,'' खेल मेरे खून में है। मेरे पिता भी खिलाड़ी रहे हैं लिहाजा हर झटके के बाद वापसी करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। खुद पर मेहनत करते रहो और मजबूती से वापसी का प्रयास करो।'' अपनी 108 रन की पारी के बारे में उन्होंने कहा ,'' मैं स्कोर कार्ड देख ही नहीं रहा था। मैं सिर्फ गेंद को देखकर उसके हिसाब से खेल रहा था। मेरा ध्यान प्रक्रिया और गेंद दर गेंद फोकस करने पर था। तिलक वर्मा के आने के बाद पहले चार पांच ओवर कठिन रहे लेकिन उसके बाद हमने सहज होकर खेला।

ओडीआई मे अर्शदीप सिंह ने जड़ा बेहतरीन छक्का,

अर्शदीप सिंह ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने गेंद से तो कमाल किया ही लेकिन इस बार बल्ले से भी उन्होंने ऐसा शॉट लगाया जिसकी खूब चर्चा हो रही है। इंडिया की ओर से अर्शदीप सिंह दो गेंदों पर सात रन बनाकर नॉटआउट लौटे। भारत बनाम साउथ अफ्रीका के बीच वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबले में अर्शदीप सिंह ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने गेंद से तो कमाल किया ही लेकिन इस बार बल्ले से भी उन्होंने ऐसा शॉट लगाया जिसकी खूब चर्चा हो रही है। इंडिया की ओर से अर्शदीप सिंह दो गेंदों पर सात रन बनाकर नॉटआउट लौटे। उन्होंने एक दनदनाता हुआ छक्का भी लगाया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वहीं बता दें कि, अर्शदीप सिंह ने ये छक्का ब्यूरेन हेंड्रिक्स की गेंद पर लगाया। भारत के खिलाफ इस मैच में सबसे ज्यादा सफल साउथ अफ्रीकी गेंदबाज ब्यूरेन ही रहे, जिन्होंने साई सुदर्शन, अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर को आउट किया। अर्शदीप का ये छक्का देखकर फैंस के साथ कमेंटेटर्स भी हैरान रह गए। दरअसल, 49वें ओवर की आखिरी गेंद थी, ऐसा लगा कि अर्शदीप बैट के मिडिल में एकदम सही जगह पर गेंद लगी, लॉन्ग ऑन के ऊपर से अर्शदीप का ये छक्का सोशल मीडिया पर धमाल मचाए हुए हैं। वहीं अर्शदीप ने चार विकेट चटकाए। इस सीरीज के दौरान अर्शदीप ने कुल 10 विकेट अपने नाम किए और दमदार गेंदबाजी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। भारत की ओर से संजू सैमसन ने इस मैच में शतक ठोका था और इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मैनचेस्टर सिटी ने पहला क्लब विश्व कप खिताब और 2023 की पांचवीं ट्राफी जीती

मैनचेस्टर सिटी इस साल एफए कप, प्रीमियर लीग, चौम्पियंस लीग और सुपर कप खिताब जीत चुका है। इस जीत से पेप गुआर्डियोला तीन विभिन्न टीमों के साथ क्ल विश्व कप जीतने वाले पहले कोच बन गये।मैनचेस्टर सिटी ने शुक्रवार को यहां क्लब विश्व कप फाइनल में फ्लूमिनेसे को 4–0 से हराकर 2023 में पांचवां खिताब अपने नाम किया। मैनचेस्टर सिटी ने महज 40 सेकेंड के अंदर ही बढ़त बना ली थी जब जूलियन अल्वारेज ने गोल दागा।फ्लूमिनेसे के कप्तान निनो के 27वें मिनट में किये गये आत्मघाती गोल से मैनचेस्टर सिटी की बढ़त दोगुनी हो गयी और फिर फिल फोडेन ने 72वें मिनट में टीम का तीसरा गोल किया।अल्वारोज ने 88वें मिनट में अपने दूसरे गोल से मैनचेस्टर सिटी को 4–0 पर ला दिया। इससे मैनचेस्टर सिटी ने पहला क्लब विश्व कप खिताब अपनी झोली में डाला और उसने यूरोप को फीफा की इस क्लब प्रतियोगिता के 17 चरण में 16वीं ट्राफी दिलायी।मैनचेस्टर सिटी इस साल एफए कप, प्रीमियर लीग, चौम्पियंस लीग और सुपर कप खिताब जीत चुका है। इस जीत से पेप गुआर्डियोला तीन विभिन्न टीमों के साथ क्ल विश्व कप जीतने वाले पहले कोच बन गये।उन्होंने बार्सिलोना को 2009 और 2011 में यह खिताब दिलाया था। फिर 2013 में बायर्न म्यूनिख को भी यह ट्राफी दिलायी थी। गुआर्डियोला ने शांति से इस जीत का जश्न मनाया, वह फ्लूमिनेसे के कोच फर्नांडो डिनिज को सांत्वना देने पहुंचे, उनसे हाथ मिलाया और उनके कंधों पर हाथ रखा। फिर वह फेलिपो मेलो के साथ गले मिलते और मुस्कुराते दिखे।

बृजभूषण के विश्वासपात्र को सौंपी गई, संजय सिंह बने नए अध्यक्ष,

पहलवानों ने आधिकारिक तौर पर सात जून को अपना विरोध बंद कर दिया था जब खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने उन्हें आश्वासन दिया था कि बृजभूषण के परिवार के किसी भी सदस्य या करीबी सहयोगी को डब्ल्यूएफआई चुनाव में उतरने की अनुमति नहीं दी जाएगी।नयी दिल्ली। निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के विश्वासपात्र संजय सिंह भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के कई बार लंबित हुए चुनावों में गुरुवार को यहां अध्यक्ष पद पर आसान जीत दर्ज करने में सफल रहे। उनके पैनल ने 15 में से 13 पद पर जीत दर्ज की। चुनावों के नतीजों ने प्रदर्शनकारी पहलवानों को काफी निराश किया और ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक ने खेल से संन्यास लेने का फैसला किया। उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष संजय को 40 जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी और राष्ट्रमंडल खेलों की पूर्व स्वर्ण पदक विजेता अनिता श्योराण को सिर्फ सात मत मिले। आरएसएस से जुड़े संजय वाराणसी के रहने वाले हैं और बृजभूषण के बहुत करीबी सहयोगी हैं।

बजरंग पूनिया ने लौटाया पद्मश्री सम्मान, कुश्ती संघ पर बृजभूषण के करीबी के जीतने से हैं आहत

पहलवान बजरंग पूनिया ने पद्मश्री पुरस्कार लौटा दिया है। शुक्रवार को उन्होंने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि ये चुनाव बताता है कि पहलवानों का भविष्य अब सुरक्षित नहीं रहेगा। कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष पद पर बृजभूषण शरण सिंह के करीबी के चुनाव जीतने पर पहलवान बजरंग पूनिया ने पद्मश्री पुरस्कार लौटा दिया है। शुक्रवार को उन्होंने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि ये चुनाव बताता है कि पहलवानों का भविष्य अब सुरक्षित नहीं रहेगा। इससे पहले गुरुवार को साक्षी मलिक ने खेल ही छोड़ने का ऐलान कर दिया था। बता दें कि, बजरंग पूनिया ने ये सम्मान ट्विटर पर एक खत लिखकर लौटाने का ऐलान किया है। इसमें उन्होंने सीधे पीएम मोदी को संबोधित करते हुए लिखा है कि मुझे अर्जुन अवॉर्ड, खेल रत्न और पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया था। मेरा हर जगह अर्जुन अवॉर्ड कहकर सम्मान किया जाता है। लेकिन जब हम महिला पहलवानों का ही सम्मान सुरक्षित नहीं रख सके तो फिर इनके बोझ तले दबकर मैं अपनी जिंदगी नहीं जी पाउंगा।

नई–नवेली बनी दुल्हन पर खूब जचेंगे ये हैवी डिजाइन वाले सूट, मिलेगा गार्जियस लुक

अगर आपकी नई–नई शादी हुई है और आप एक नई नवेली दुल्हन हैं, तो आपको सोच–समझकर ही सूट के डिजाइंस चुनने चाहिए। जिससे कि आप उन सूट को लंबे समय तक और आरामदायक तरीके से कैरी कर सकें। वैसे तो सूट पहनना हर लड़की को पसंद होता है, क्योंकि यह पहनने में बेहद आरामदायक होते हैं। सूट में आपको कई तरह की डिजाइंस और अलग–अलग वैरायटी देखने को मिल जाती है। वहीं अगर आपकी नई–नई शादी हुई है और आप एक नई नवेली दुल्हन हैं, तो आपको सोच–समझकर ही सूट के डिजाइंस चुनने चाहिए। जिससे कि आप उन सूट को लंबे समय तक और आरामदायक तरीके से कैरी कर सकें। सूट में स्टाइलिश लुक पाने के लिए आपको न सिर्फ लेटेस्ट डिजाइन की समझ होनी चाहिए, बल्कि आपको अपनी बॉडी शेप को भी समझना चाहिए। ऐसे में अगर आप भी कंफ्यूजन में हैं कि आपको किस तरह की डिजाइन के सूट लेने चाहिए और उन्हें कैसे स्टाइल करना चाहिए तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज हम आपको कुछ खास डिजाइन के सूट के बारे में बताने जा रहे हैं, साथ ही यह भी जानेंगे कि आप इन्हें किस तरह से कैरी करें, जिससे आपका लुक स्टाइलिश लगे। अंगरखा स्टाइल सूट बता दें कि आज के समय में प्लेन सूट के साथ हैवी दुपट्टे काफी ट्रेंड में हैं। ऐसे में आप खूबसूरत गोटा–पत्ती वर्क के सूट को कैरी कर सकती हैं। इस तरह के सूट बनवाने के लिए आप चंदेरी डिजाइन के फैब्रिक को खरीदकर कस्टमाइज करवा सकती हैं। अंगरखा स्टाइल सूट के साथ गोल्डन कलर की झुमकी आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेंगी। फ्लोर लेंथ सूट इस तरह के सूट न सिर्फ देखने में बल्कि पहनने में भी रॉयल लुक देते हैं। फ्लोर लेंथ वाले और हैवी वर्क वाले सूट आपको बाजार में 2000 से 3000 रुपए तक में आसानी से मिल जाएंगे। इस सूट के साथ आप मेसी लुक वाला हेयर स्टाइल बना सकती हैं। इसके साथ ही बालों को गजरे से सजा सकती हैं। अनारकली स्टाइल सूट आजकल सिल्क फैब्रिक के आउटफिट्स काफी चलन में हैं। इस तरह के खूबसूरत और क्लासी सूट नई नवेली दुल्हन पर बेहद जचेंगे। मार्केट में अनारकली स्टाइल सूट आपको 2000 से 4000 रुपए तक में आसानी से मिल जाएंगे। इस सूट को कैरी करने के साथ आप ओपन हेयर स्टाइल रख सकती हैं, जो आपके लुक को स्टाइलिश बनाने का काम करेंगे।

शिशु के सिर को सही शेप देने के लिए अपनाएं ये सिंपल ट्रिक्स,

महिला के गर्भ में बच्चा अधिकतर समय एक ही करवट में रहता है। जिस वजह से उसके सिर का आकार बिगड़ जाता है। ऐसे में बच्चे के बड़े होने के साथ ही आप अपने हिसाब से उसके सिर को सही शेप या गोल शेप में बदल सकते हैं। नवजात बच्चों के सिर की हड्डी काफी ज्यादा नाजुक होती है। जिस वजह से शुरूआत के 6 महीने तक बच्चे के सिर के आकार की तरफ ध्यान देना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर सिर का आकार बिगड़ सकता है। बता दें कि बच्चे के बड़े होने के साथ ही आप अपने हिसाब से उसके सिर को सही शेप या गोल शेप में बदल सकते हैं।

इन 5 तरीकों को स्किन केयर रूटीन में करें शामिल, मिलेगी मखमल जैसी त्वचा

अगर आप भी अरेबियन महिलाओं की तरह खूबसूरत और फ्लॉलेस स्किन पाना चाहती हैं। तो हम आपको कुछ होम रेमेडीज के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसे अरेबियन महिलाएं भी स्किन केयर रूटीन में फॉलो करती हैं। हम सभी अरेबियन देशों के बारे में काफी कुछ सुनते चले आ रहे हैं। अपनी प्राकृतिक खूबसूरती की वजह से यह देश पूरी दुनिया में जाना जाता है। वहीं यहां पर रहने वाले लोग भी काफी ज्यादा खूबसूरत होते हैं। खासतौर पर अरेबियन महिलाओं की खूबसूरती देखते बनती हैं। अरेबियन महिलाओं की फ्लॉलेस त्वचा देखकर हम भी उनकी तरह दिखना चाहते हैं। लेकिन उनको वह रंग और स्किन टेक्सचर बाय बर्थ मिलता है। हांलाकि आप अरेबियन स्किन केयर रूटीन से अपनी स्किन को फ्लॉलेस और खूबसूरत बना सकती हैं। ऐसे में अगर आप भी अरेबियन महिलाओं की तरह खूबसूरत और फ्लॉलेस स्किन पाना चाहती हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ होम रेमेडीज के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसे अरेबियन महिलाएं भी स्किन केयर रूटीन में फॉलो करती हैं। ऐसे में आप भी इस स्किन केयर रूटीन को फॉलो कर सकती हैं।बता दें कि हमाम बाथ स्टीम सोहना बाथ की तरह होता है। यह नहाने का टर्किश तरीका होता है। वहीं पहले के समय में कई सारी महिलाएं मिलकर स्टीम बाथ लेती थीं। लेकिन वर्तमान समय में ऐसा संभव नहीं है। स्टीम बाथ हमारी स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है। स्टीम बाथ लेने से बॉडी पर चढ़ी डेड स्किन की परत हट जाती है और पोर्स ओपन हो जाते हैं। साथ ही त्वचा में फंसी गंदगी भी साफ हो जाती है। इसके अलावा स्टीम बाथ लेने से स्किन में ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है। जिससे स्किन की रंगत निखरने के साथ ही ग्लो भी आता है। हांलाकि रोजाना हमाम बाथ लेना आसान नहीं होता है। लेकिन आप सप्ताह में एक बार इस तरह से बाथ ले सकती है, तो इसका असर आपकी स्किन पर देखने को मिलेगा। जाहिर है आपका वॉशरूम स्टीम बाथ के मुताबिक नहीं बना होगा। इसलिए आप सप्ताह में एक बार टॉवल बाथ ले सकती हैं। कैमिल मिल्क अरब देशों का अधिकतर हिस्सा रेगिस्तान होता है। इसलिए यहां पर ऊंट काफी संख्या में पाए जाते हैं। वहीं सेहत के लिए ऊंट का दूध काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। साथ ही यह स्किन के लिए भी लाभकारी होता है। क्योंकि ऊंट के दूध में विटामिन बी, विटामिन सी और विटामिन बी12 पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। वहीं ऊंट के दूख में एल्फा हाइड्रोक्सी और विटामिन डी भी पाया जाता है। ऐसे में ऊंट का दूध त्वचा पर लगाने से कई फायदे मिलते हैं। इससे स्किन सप्पल, रिंकल फ्री होने के साथ स्मूद हो जाती है। आप चाहें तो रोजाना ऊंट के दूध से स्किन की क्लोनिंग कर सकती हैं। ऐसा रोजाना करने से स्किन की फाइन लाइंस कम होने के साथ त्वचा में कसाव आता है। 35 प्लस वाली महिलाओं को झुर्रियों से छुटकारा पाने के लिए इससे अच्छा घरेलू नुस्खा और कोई नहीं हो सकता है। दही का इस्तेमाल दही भी अरेबियन महिलाओं की स्किन केयर रूटीन में अहम स्थान रखता है। हांलाकि भारतीय महिलाएं भी दही का इस्तेमाल स्किन केयर रूटीन में करती हैं। दही एक नेचुरल एक्फ्सफोलिएट होता है। इसको लगाने से आपकी त्वचा हाइड्रेट रहती है। साथ ही स्किन को डीप नरिशमेंट भी मिलता है। बता दें कि दही में एंटी एजिंग प्रॉपर्टीज पाया जाता है,

सालार ने चकनाचूर कर दिए जवान सहित सारे रिकाई, प्रभास की फिल्म को मिली धुंआधार ओपनिंग

प्रभास की मच अवेटेड एक्शन थ्रिलर फिल्म सालाररू पार्ट–1 सीजफायर आखिरकार शुक्रवार, 22 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई. इस फिल्म का शाहरुख खान की डंकी के साथ बड़ा क्लैश हुआ है. हालांकि दोनों ही फिल्मों का जबरदस्त क्रेज देखा जा रहा है लेकिन कमाई के मामले में सालार ने आते ही डंकी की बैंड बजा दी है.प्रभास की फिल्म के एडवांस बुकिंग का कलेक्शन (करीब 50 करोड़) ही डंकी के ओपनिंग डे (30 करोड़) की कमाई से काफी ज्यादा है. यहां तक कि सालारय ने शाहरुख खान की साल की सबसे बड़ी फिल्म जवान का रिकॉर्ड भी चकनाचूर कर दिया है. चलिए यहां जानते हैं सालार ने कितनी बंपर ओपनिंग की है.रिपोर्ट के मुताबिक सालार अपनी रिलीज के पहले दिन 95 करोड़ की ऐतिहासिक ओपनिंग कर सकती है. हालांकि ये अर्ली एस्टीमेट है ऑफिशियल डाटा आने के बाद इन नंबर्स में थोड़ा बहुत बदलाव हो सकता है.ऑरमैक्स मीडिया ने भी सालार की कमाई के आँकड़े जारी किए हैं इनकी रिपोर्ट के मुताबिक सालार पार्ट वन ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर ग्रॉस 116 करोड़ की कमाई कर ली है. सालार के तेलुगु वर्जन ने सबसे ज्यादा 71 करोड़ की कमाई की है. वहीं बाकी लैंग्वेज ने 45 करोड़ के आस पास कमाई की है.प्रभास की सालार ने बंपर ओपनिंग की है. फिल्म का पहले दिन 95 करोड़ के करीब कलेक्शन एक बड़ा रिकॉर्ड है. इसी के साथ इस फिल्म ने शाहरुख खान की इस साल की सबसे बड़ी फिल्म जवान के गुरूर को भी मिट्टी में मिला दिया है. दरअसल सालार ने जवान

के ओपनिंग डे के कलेक्शन के रिकॉर्ड को चकनाचूर कर दिया है और इसी के साथ ये फिल्म साल की सबसे बड़ी ओपनर बन चुकी है. बता दें कि जवान ने रिलीज के पहले दिन 75 करोड़ की ओपनिंग की थी वहीं सालार ने पहले दिन 95 करोड़ का कलेक्शन कर नया बेंचमार्क सेट कर दिया है। सालार का निर्देशन केजीएफ फेम डायरेक्टर प्रशांत नील ने किया है और इस फिल्म की स्टार कास्ट की बात करें तो सालार में प्रभास के अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन, श्रुति हासन और जगपति बाबू ने अहम रोल प्ले किया है.

बाक्स आफिस पर शाहरुख खान की डंकी की शानदार शुरुआत

शाहरुख खान की साल की तीसरी फिल्म श्डंकीच्य गुरुवार को काफी धूमधाम के बीच सिनेमाघरों में पहुंची. भारत में राजकुमार हिरानी की फिल्म का पहला शो सुबह 5रू55 बजे मुंबई के आइकॉनिक सिंगल–स्क्रीन थिएटर गेयटी गैलेक्सी में था, और जैसे ही सिनेमा हॉल की क्लिप इंटरनेट पर वायरल हुए, यह किसी सेलिब्रेशन से कम नहीं था. हालांकि, पूरे दिन फिल्म को उतने दर्शक नहीं मिले. चलिए यहां जानते हैं श्डंकीच्य ने रिलीज के पहले दिन कितने करोड़ से ओपनिंग की है. शाहरुख खान स्टारर श्डंकीच्य सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है. फिल्म का रिलीज से पहले ही दर्शकों में काफी क्रेज था और जैसे ही ये फिल्म थिएटर्स में पहुंचीं वैसे ही इसे देखने के लिए पहेल दिन खूब दर्शक भी पहुंचे. हालांकि वीकडेज होने की वजह से फिल्म को सिनेमाघरों में बहुत ज्यादा फुटफॉल नहीं मिला. वहीं अब श्डंकीच्य की रिलीज के पहले दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक श्डंकीच्य ने अपनी रिलीज के पहले दिन 30 करोड़ का कलेक्शन किया है. श्डंकीच्य ने पहले दिन 30 करोड़ का कलेक्शन किया है. फिल्म की कमाई का पहले दिन का ये आंकड़ा शाहरुख खान की पिछली फिल्म पठान और जवान से कम है. वहीं हालिया रिलीज फिल्म एनिमल

का ओपनिंग डे कलेक्शन भी श्डंकीच्य से ज्यादा था.डंकी में शाहरुख की जोड़ी पहली बार अभिनेत्री तापसी पन्नू के साथ बनी है। विक्की कौशल भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं। उनकी उम्दा अदाकारी ने दर्शकों का दिल जीत लिया है।डंकी में बोमन ईरानी,

विक्रम कोचर, अनिल ग्रोवर, सतीश शाह, दीया मिर्जा और परीक्षित साहनी भी हैं।टिकट खिड़की पर डंकी का मुकाबला एनिमल और सैम बहादुर से हो रहा है। इसके अलावा प्रभास की सालार भी 22 दिसंबर सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

रवि तेजा ने रिवील किया अपनी फिल्म मिस्टर बच्चन का पोस्टर, लिखा– नाम तो सुना होगा...

रवि तेजा ने अपनी अपकमिंग फिल्म मिस्टर बच्चन का पोस्टर रिवील कर दिया है. हरीश शंकर के डायरेक्शन में बनी फिल्म के पोस्टर में रवि तेजा का शानदार लुक देखने को मिला है. ब्लैक टीशर्ट. ब्राउन जैकेट, ब्लैक शेड्स लगाए बाइक पर बैठे रवि तेजा मिस्टर बच्चन पोस्टर में सीरीयस लुक दे रहे हैं. उनकी लंबी मूंछें और उनका हेयरकट 70 और 80 के दौर के अमिताभ बच्चन से मैच कर रही है.रवि तेजा की फिल्म का नाम और उनका लुक इस ओर इशारा कर रही है कि फिल्म अमिताभव बच्चन से इंस्पायरड है. पोस्टर में नाम के साथ अमिताभ बच्चन का डायलॉग– नाम तो सुना होगा भी लिखा है. बता दें कि रवि

तेजा पहले से ही अमिताभ बच्चन के बहुत बड़े फैन हैं और अब जब अपने आइडियल के नाम और लुक के साथ उनकी नई फिल्म आ रही है तो उन्होंने इसपर खुशी जताई है. इंस्टाग्राम पर पोस्टर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा– नाम तो सुना होगा. मेरे पसंदीदा अमिताभ बच्चन साहब के नाम वाला किरदार निभाना सम्मान की बात है. मिस्टर बच्चन के साथ रवि तेजा और हरीश शंकर तीसरी बार एक–दूसरे के साथ काम करने जा रहे हैं. इससे पहले वे शॉक और मिरापाके में एक साथ काम कर चुके हैं. वहीं भाग्यश्री बोरसे मिस्टर बच्चन में लीड एक्ट्रेस के तौर पर दिखाई देंगी. ये एक तेलुगू फिल्म है

जिसके साथ भाग्यश्री बोरसे अपना तेलुगू डेब्यू करने जा रही है. फिल्म अगले साल थिएटर्स में रिलीज होगी.रवि तेजा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे इससे पहले तेलुगू फिल्म टाइगर नागेश्वर राव में नजर आए थे. अब वे कार्तिक गट्टमनेनी के डायरेक्शन में बनी फिल्म ईगल में दिखाई देंगे. ईगल 13 जनवरी, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

फाइटर का दूसरा गाना इश्क जैसा कुछ जारी, दीपिका–रितिक की बोल्ड केमिस्ट्री से नहीं हटेंगी नजरें

ऋतिक रोशन की मोस्ट अवेटेड फिल्म फाइटर 25 जनवरी 2024 को थिएटर्स में रिलीज के लिए तैयार है. फिल्म के टीजर ने पहले ही किक देने वाली एक्शन से भरपूर दुनिया की एक झलक दिखा दी है और दर्शकों को एक्साइटेड कर दिया है. सीजन के बेस्ट पार्टी एंथम, शेर खुल गए के साथ फिल्म के म्यूजिकल सफर की शुरुआत हो गई थी और अब मेकर्स ने फिल्म का दूसरा गाना इश्क जैसा कुछ रिलीज कर दिया है.फाइटर के दूसरे गाने इश्क जैसा कुछ में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की शानदार केमिस्ट्री ने दर्शको का दिल जीत लिया है. दोनों का ऑनस्क्रीन रोमांस फैंस के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं है. यह गाना अपने शानदार रोमांटिक ट्रैक, ऋतिक और दीपिका की

जबरदस्त जोड़ी, खूबसूरत नजारे और गहराई से जुडने वाले म्यूजिक के साथ दर्शकों के दिलों को दीवाना करता है.विशाल–शेखर, शिल्पा राव और मेलो डी ने इस गाने को अपनी आवाज दी है, जो कुमार, मेलो डी और विशाल ददलानी ने तैयार किए गए लीरिक्स को कॉम्प्लीमेंट करता है. इस गाने को विशाल और शेखर ने कंपोज किया हैं. वहीं बॉस्को–सीजर की कोरियोग्राफ के साथ यह गाना एक रोमांटिक हिट होने वाला है.सिद्धार्थ आनंद के डायरेक्शन और वायकॉम18 स्टूडियोज और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के बैनर तले बनी फिल्म फाइटर एक्शन स्टोरीटेलिंग में क्रांति लाने के लिए तैयार है. यह फिल्म दिल दहला देने वाले एक्शन सीन्स और देशभक्ति की भावना को पेश करती है. फिल्म में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण लीड किरदार अदा करते नजर आएंगे. फाइटर 25 जनवरी, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है.

डंकी के आगे भी एनिमल ने दिखाया पूरा दम, 21वें दिन 530 करोड़ के पार हुई रणबीर कपूर की फिल्म

संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी फिल्म एनिमल शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है।साथ ही फिल्म कई रिकॉर्ड अपने नाम कर चुकी है। रिलीज के तीसरे सप्ताह भी फिल्म का खुमार दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है।फिल्म में रणबीर कपूर के साथ रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल,अनिल कपूर के अभिनय की जमकर तारीफ हो रही है। 21 दिसंबर को सिनेमाघरों में आई शाहरुख खान की डंकी का भी एनिमल ने डटकर सामना किया।अब एनिमल की कमाई के 21वें दिन के आंकड़े सामने आ चुके हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने 21वें दिन 2.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 531.34 करोड़ रुपये हो गया है। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर एनिमल ने 530 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है तो वहीं दुनियाभर में यह फिल्म 835.9 करोड़ रुपये कमा चुकी है। एनिमल रणविजय (रणबीर) की कहानी है, जो अपने पिता से बेशुमार प्यार करता है। हालांकि, उसका यह प्यार कुछ हद तक एकतरफा है क्योंकि बदले में उसे कभी अपने पिता का प्यार नहीं मिला।रणविजय के पिता बलबीर सिंह (अनिल कपूर) देश के अमीर बिजनेसमैन हैं। एक दिन उन पर जानलेवा हमला होता है।इसके बाद रणविजय हमलावर का पता लगाने अमेरिका से भारत आता है।पिता की रक्षा करने में वह एक खूंखार व्यक्ति बन जाता है।

राधिका मदान की सजिनी शिंदे का वायरल वीडियो ने ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर दी दस्तक

आगामी फिल्म सना की शूटिंग में व्यस्त हैं।

मिखिल मुसले के निर्देशन में बनी फिल्म सजिनी शिंदे का वायरल वीडियो को इसी साल 27 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।इसमें राधिका मदान मुख्य भूमिका में हैं।15 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने 40 लाख रुपये का कारोबार किया।अब सजिनी शिंदे का वायरल वीडियो ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक दे चुकी है। जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं। सजिनी शिंदे का वायरल वीडियो में निमरत कौर और भाग्यश्री जैसी अभिनेत्रियां भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।सुबोध भावे, सोहम मजूमदार, चिन्मय मांडेकर, श्रुति व्यास, सुमित व्यास, स्नेहा रायकर, आशुतोष गायकवाड़ और रश्मी अगड़ेकर जैसे सितारे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।इसका निर्देशन मिखिल मुसले ने किया है तो वहीं दिनेश विजन फिल्म के निर्माता है। इसकी कहानी मिखिल मुसले और परिंदा जोशी ने मिलकर लिखी है।इन दिनों राधिका अपनी

ईशा मालविया बनीं बिग बास 17 की नई हाउस कैप्टन

एक्ट्रेस ईशा मालविया ने कंट्रोवर्शियल रियलिटी शो बिग बॉस में एक टास्क जीतने के बाद कप्तानी की कमान संभाल ली है। लेटेस्ट एपिसोड में तीखी बहस के बाद फैसला लिया गया। टास्क में घर वालों को दो टीमों में बांटा गया था, जिनके कप्तान नील भट्ट और विक्की जैन थे।नील ने अपनी टीम ए के लिए ऐश्वर्या शर्मा, अभिषेक कुमार, अरुण, रिंकू धवन और अनुराग डोभाल को चुना। विक्की ने बाकी कंटेस्टेंट्स को चुना और मुनव्वर संचालक थे।दोनों टीमों को उनके वर्कस्पेस पर रखा गया था, जहां उन्हें सेबों को बॉक्स में पैक करना था। टीम ए से ऐश्वर्या और टीम बी से अंकिता को क्वालिटी चेक मैनेजर्स के रूप में नियुक्त किया गया।काफी खींचतान के बाद, टीम बी ने सेब के दो बॉक्स के साथ टास्क जीत लिया, टीम ए के बॉक्स को टास्क के क्वालिटी चेक सेगमेंट में अस्वीकार कर दिया। ऐश्वर्या ने पहले अप्रूव्ड बॉक्स को दोबारा चेक करने की मांग की, लेकिन मुनव्वर ने इनकार कर दिया।टीम बी को अगला कप्तान बनाने के लिए टीम में से एक व्यक्ति को चुनने के लिए कहा गया। काफी चर्चा के बाद कंटेस्टेंट्स ने दो नाम अंकिता लोखंडे और ईशा मालवीय दिए। लेकिन उस पर भी बहस हो गई।

रिवीलिंग आउटफिट में मौनी राय ने बिखेरे हुस्न के जलवे, कर्वी फिगर पर टिकी नजरें

मौनी रॉय अपने सोशल मीडिया पोस्ट के कारण अक्सर ही चर्चा में आ जाती हैं. उन्होंने अपनी एक्टिंग करा जादू तो पहले ही दर्शकों पर खूब चलाया है. अब कुछ समय से एक्ट्रेस अपने लुक्स की वजह से काफी सुर्खियों में आ गई हैं. लगभग हर दिन मौनी का एक नया स्टाइल फैंस के बीच वायरल हो जाता है. अब फिर से एक्ट्रेस ने अपनी अदाओं ने इंटरनेट का पारा हाई कर दिया है. लेटेस्ट फोटोशूट में उन्हें बेहद हॉट अवतार में देखा जा रहा है. मौनी ने कुछ देर पहले ही अपने इंस्टाग्राम पेज पर नया लुक शेयर किया है. इसमें एक्ट्रेस हॉल्टर कट आउट ड्रेस पहने हुए नजर आ रहे हैं. हालांकि, फोटोज में एक्ट्रेस का चेहरा बहुत क्लियर नजर नहीं आ रहा.

उन्होंने इस दौरान अपने बालों को ओपन रखा है और कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करते हु स्टनिंग पोज दिए हैं. अब मौनी के चाहने वालों की नजरें उनकी अदाओं पर टिकी रह गई हैं.

मौनी हमेशा की तरह इस लुक में भी बेहद हॉट दिख रही हैं. एक्ट्रेस के फैंस ने उन पर प्यार लुटाते हुए एक के बाद एक कई कमेंट्स किए हैं. वहीं, कुछ ही देर में तस्वीरों पर हजारों लाइक्स आ चुके हैं, जो तेजी से बढ़ते जा रहे हैं. वैसे, अक्सर ही मौनी के सिजलिंग लुक सोशल मीडिया पर वायरल हो जाते हैं.

दूसरी ओर मौनी की आने वाली फिल्मों पर बात करें तो एक्ट्रेस कम ही प्रोजेक्ट्स के लिए साइन कर रही हैं. जल्द ही उन्हें द वर्जिन ट्री टाइटल से बन रही फिल्म में देखा जाने वाला है. इसके अलावा एक्ट्रेस रियलिटी शो टैम्प्टेशन आईलैंड इंडिया में भी होस्ट के तौर पर नजर आ रही हैं.

मैं हमेशा से चाहती थी कि एक अभिनेत्री के रूप में लोग मुझे गंभीरता से लें-अनन्या

अनन्या ने कहा, मैं सोच–समझकर कोई फैसला नहीं कर रही हूं। मेरी अपनी पसंदहै और मैं गुप्त रूप से यह बता रही हूं कि मैं किसके साथ काम करना चाहती हूं लेकिन अच्छे काम से बेहतर कोई दूसरी

चीज नहीं है अभिनेत्री अनन्या पांडे का कहना है कि अच्छे काम से बेहतर कोई दूसरी चीज नहीं है और वह चाहती हैं कि फिल्मों का उनका चयन एक अभिनेत्री के तौर पर उनके बेहतर होते अभिनय को दर्शाए। निर्माता करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड में कदम रखने वाली अनन्या को शकुन बत्रा द्वारा निर्देशित फिल्म गहराइयां में उनके अभिनय के लिए काफी प्रशंसा मिली थी। अनन्या (25) ने पीटीआई– से कहा, मैं हमेशा से चाहती थी कि एक अभिनेत्री के रूप में लोग मुझे गंभीरता से लें। ऐसा नहीं है कि गहराइयां के बाद यह (पसंद) बदल गई है। मेरी उम्र 20 साल से ज्यादा है और बढ़ती उम्र के साथ मैं बहुत सी चीजों से जुड़ रही हूं। उन्होंने कहा, मैं विभिन्न प्रकार की फिल्में करना चाहती हूं। यह एक व्यक्ति के रूप में मेरे विकास से जुड़ा है। मेरी पसंद भी बदल रही है। अनन्या ने कहा, मैं सोच–समझकर कोई फैसला नहीं कर रही हूं। मेरी अपनी पसंदहै और मैं गुप्त रूप से यह बता रही हूं कि मैं किसके साथ काम करना चाहती हूं लेकिन अच्छे काम से बेहतर कोई दूसरी चीज नहीं है। मैं उस पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रही हूं। अभिनेत्री ने कहा कि वह आभारी हैं कि बत्रा, अख्तर और मोटवानी जैसे फिल्म निर्माताओं ने उनपर विश्वास जताया।

मस्ती करते नजर आईं अक्षय कुमार की बेटी नितारा,

श्रेनु पारिख और अक्षय म्हात्रे ने रचाई शादी शानदार अभिनय कौशल और कहानी के साथ प्रशंसकों को रोमांचित करते हुए डंकी आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, डंकी ने हिंदी भाषा में पहले दिन भारत में 30 करोड़ रुपये की कमाई की।शानदार अभिनय कौशल और कहानी के साथ प्रशंसकों को रोमांचित करते हुए डंकी आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की है।

संविधान विरोधी कार्य कर रही भाजपा सरकार, सपा का प्रदर्शन

- लोकसभा व राज्यसभा में सांसद नहीं उठा पा रहे जनता की समस्याएं
- बेरोजगारी, महंगाई चरम सीमा पर, परेशान है जनता

संवाददाता।

बांदा। सपा हाईकमान के आवाहन पर समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को अशोक स्तंभ तले प्रदर्शन किया। इस दौरान सपाइयों ने नारेबाजी भी की। सपाइयों ने कहा कि भाजपा सरकार संविधान विरोधी कार्य कर रही है। इसके साथ ही राज्यसभा और लोकसभा में सांसद जनता की समस्याएं भी नहीं उठा पा रहे हैं। बाद में सपाइयों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। पार्टी हाईकमान के आवाहन पर समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को अशोक स्तंभ तले प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। सपा जिलाध यक्ष मधुसूदन कुशवाहा ने कहा कि जब से देश में भाजपा की सरकार आई है विपक्षी पार्टियों की आवाज को दबाने के लिए लोकतंत्र व्यवस्था को समाप्त किया जा रहा है। संविधान द्वारा दिएगए अधिकारों का हनन हो रहा है। इंडिया गठबंधन के देश के नेताओं को भय व डर दिखाकर उत्पीड़न किया जा रहा है। बेरोजगारी, महंर्गइा चरम सीमा पर हैं एससी, एसटी, ओबीसी का आरक्षण समापत कर निजीकरण किया जा रहा है और चंद लोगों के हाथों में देश को बचने का काम किया जा रहा है। भाजपा सरकार द्वारा संविधान विरोधी कार्य किए जा रहे हैं। चुने हुए सांसदों को लोकसभा व राज्यसभा दोनो सदनों में सरकार के इशारे पर जनता की समस्याओं को उठाने तक नहीं दिया जा रहा। राष्ट्रपति को संबोधित जिलाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में सपाइयों ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार के इशारे पर 146 सांसदों के अलोकतांत्रिक निलंबन को बहाल किया जाए और लोकतंत्र व संविधान की रक्षा की जाए। इसके साथ ही भाजपा सरकार को बर्खास्त किया जाए। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष के अलावा पूर्व मंत्री शिवशंकर सिंह पटेल, हसन सिद्दीकी, विशंभर प्रसाद निषाद, रामपाल प्रजापति, उमेश यादव,

रामनिहोर निषाद, इंद्रजीत यादव, अशोक सिंह गौर, लालमन यादव, राजाभइया वर्मा, एजाज खान, नंदकिशोर, यशवंत यादव, ईशान सिंह लबी, नीलम गुप्ता, नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन मोहन साहू, पंकज गुप्ता समेत तमाम पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

जनसुनवाई में दो सैकड़ा बच्चों की समस्याओं का हुआ निवारण

संवाददाता।

बांदा। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग नई दिल्ली के द्वारा जनपद के बबेरू ब्लाक में मुनीम सिंह भारतीय एजुकेशन सेंटर में कैंप जनसुनवाई का कार्यक्रम आयोजित हुई। इसमें आयोग की सदस्य डा. दिव्या गुप्ता और उत्तर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य श्याम त्रिपाठी उपस्थित रहे। आयोग के इस जनसुनवाई कार्यक्रम में जनपद के अति पिछड़े ब्लाक बबेरू एवं बिसंडा के 18 वर्ष से कम उम्र के बालक एवं बालिकाएं अपनी–अपनी समस्याएं एवं शिकायतें लेकर सदस्य के समक्ष उपस्थित हुए। सदस्य द्वारा लगभग 200 बच्चों की समस्याओं व शिकायतों का निवारण इस कैंप या जनसुनवाई कार्यक्रम में किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारीगण भी मौजूद थे, जैसे शिक्षा विभाग स्वास्थ्य विभाग बाल विकास एवं पुष्टाहार श्रम विभाग पुलिस विभाग राजस्व विभाग पंचायती राज विभाग आदि रहे। विभाग के प्रतिनिधियों ने बच्चों की समस्याओं के समाधान जनसुनवाई के दौरान किया। संबंधित अधिकारियों ने बच्चों की शिकायतों के निस्तारण के लिए कारवाही की। स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक स्वास्थ्य कैंप का आयोजन भी किया गया था। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा सदस्य की मौजूदगी में अन्नप्राशन एवं गोद भराई के कार्यक्रम का आयोजन भी किया। इस जनसुनवाई कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की कंसलटेंट मोनिका चौहान, अंशिता सुराणा तथा अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व राजेश कुमार, उपनिदेशक महिला कल्याण चित्रकूटधाम मंडल, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक जिला कार्यक्रम अधिकारी आदि अधिकारीगण भी मौजूद रहे।

बाइक की टक्कर लगने से मासूम बच्चे की मौत

संवाददाता।

बांदा । घर के बाहर खेल रहे मासूम बच्चे को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इससे पहले कि परिजन अस्पताल लेकर जाते, उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम कराया है। इस घटना के बाद से परिवारीजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। जनपद हमीरपुर के ललपुरा थानांतर्गत परासनी मोरा कांगर निवासी अंकुश (3) पुत्र राजेश निषाद अपनी मां अंजली के साथ तेरहवीं संस्कार में शामिल होने के लिए चौकी पुरवा पैलानी आया था। गुरुवार की शाम को वह घर के बाहर खेल रहा था, तभी वहां से गुजरी बाइक ने मासूम बच्चे को टक्कर मार दी। बालक छिटककर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। इससे पहले कि परिजन उसे अस्पताल ले जाते, मासूम बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के पिता सूरत में रहकर मजदूरी करते हैं। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

खान अधिकारी और पुलिस टीम के तीन हमलावर गिरफ्तार

संवाददाता।

बांदा। तीन माह पूर्व राजघाट के पास अवैध खनन पर कार्रवाई करने के लिए पहुंचे खान अधिकारी और पुलिस टीम पर हमला करने वाले तीन अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एसपी अंकुर अग्रवाल ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि वाहन में तोड़फोड़ भी की गई थी। साथ ही अभियुक्तों पर 10–10 हजार रुपए का ईनाम भी घोषित किया गया था।सितंबर माह में 20 तारीख की रात को खान अधिकारी सुभाष सिंह पुलिस टीम के साथ अवैध खनन पर कार्यवाही के लिए मुक्तिधाम राजघाट के पास पहुंचे थे। तभी कार्यवाही के दौरान कई लोगों के द्वारा टीम पर हमला कर गाड़ी में तोड़फोड़ कर दी गई थी। इस संबंध में कोतवाली नगर में अभियोग पंजीकृत किया गया था। प्रकरण में वांछित चल रहे तीन अभियुक्तों राममिलन केवट पुत्र रामप्रताप केवट निवासी मढ़ईयन कुरधाना थाना गोयरा जनपद छतरपुर, सुनील केवट पुत्र बाबू केवट निवासी मढ़ईयन कुरधाना दतरपुर और मिथलेश निषाद उर्फ भइया पुत्र मेवालाल निवासी ग्योड़ीबाबा थाना कोतवाली नगर को शुक्रवार को पुलिस टीम ने गंछा मोड़ ग्राम तिंदवारा के पास से गिरफ्तार कर लिया। एसपी अंकुर अग्रवाल ने मीडिया से रूबरू होते हुए बताया कि तीनो अभियुक्तों पर 10–19 हजार रुपए का ईनाम धोषित किया गया था। पुलिस टीम में नगर कोतवाली प्रभारी अनूप कुमार दुबे, वरिष्ठ उप निरीक्षक कृष्णदेव त्रिपाठी, उप निरीक्षक दिलीप मिश्र, वीरेंद्र त्रिपाठी सुधीर सिंह, कांस्टेबल देवेंद्र, विकास व जितेंद्र कुमार शामिल रहे।

मैनपावर बढ़ाकर पूरा कराया जाए कायरू आयुक्त

- जलजीवन मिशन योजना के कार्यों की आयुक्त ने की समीक्षा

संवाददाता।

बांदा। चित्रकूटधाम मंडलायुक्त बालकृष्ण त्रिपाठी ने जलजीवन मिशन योजना के तहत कार्यों की समीक्षा की। बैठक में जल–जीवन मिशन योजना अन्तर्गत इन्टेकबेल, ओवरहेड टैंक एवं ट्यूबबेल निर्माण की स्थिति तथा पाइप लाइन बिछाने के कार्य की प्रगति तथा खोदी गई सड़कों के सापेक्ष मरम्मत की गई सड़कों की समीक्षा की। बैठक में आयुक्त ने मण्डल के जनपदवार समीक्षा की, जिसके अन्तर्गत जनपद बांदा में संचालित अमलीकौर एवं खटान पाइप पेयजल परियोजनाओं के कार्यों की समीक्षा में बताया गया कि दोनों परियोजनाओं में इंटेकबेल के निर्माण का कार्य पूर्ण हो गया है। पाइप लाइन डालने का कार्य प्रगति पर है, जिस पर उन्होंने कार्य को मैनपावर बढाकर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिये। आयुक्त ने मण्डल के सभी जल–जीवन मिशन परियोजना से जुडेद्द कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिये कि इस योजना के अन्तर्गत गांवों में जलापूर्ति के साथ–साथ प्राथमिकता पर ग्राम सचिवालय, प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केन्द्र को भी जलापूर्ति किये जाने के लिए कार्य सम्पादित किया जाए। उन्होंने सड़कों को खोदकर पाइप लाइन डालने के बाद सड़कों की मरम्मत

का कार्य तेज गति से शत–प्रतिशत रूप से पूर्ण करने के निर्देश कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों को दिये। बैठक में नलकूपों की रेक्ट्रोफिटिंग, रिआर्गनाइजेशन तथा नई योजना के सम्बन्ध में कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देश दिये कि पाइप लाइन बिछाने, टोटी लगाने के साथ अन्य कार्यों में तेजी लाते हुए कार्य को आगामी 15 जनवरी तक पूर्ण करायें जाने के निर्देश दिये। उन्होंने पानी की टंकियों के निर्माण कार्य को मानक के अनुरूप गुणवत्ता के साथ अवशेष नई टंकियों का निर्माण कार्य शीघ्र गुणवत्ता के साथ कराये जाने के निर्देश दिये। आयुक्त ने जनपद हमीरपुर की पत्यौरा एवं हरौलीपुर पाइप पेयजल योजना के कार्यों की समीक्षा करते हुए पत्यौरा परियोजना में ओवर हेड टैंक के निर्माण कार्य की प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिये। पानी की टंकियों के निर्माण कार्य में मैन पावर बढ़ाये जाने एवं कार्यों को गुणवत्ता के साथ प्रत्येक दशा में जनवरी तक पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये। चित्रकूट जनपद की सिलौटा एवं चांदीबांगर में गॉवों में पानी के कनेक्शन बढ़ाए जाने तथा टूटी हुई सड़कों को ठीक कराये जाने के साथ गांवों में जलापूर्ति के लिए कार्य को तेजी लाकर शीघ्रता से पूर्ण किये जाने के निर्देश कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों को दिये। जनपद महोबा की कबरई पाइप पेयजल योजना के अन्तर्गत वाटर सप्लाई व कम्शिनिंग के कार्य में प्रगति लाये जाने के निर्देश दिये तथा सरैंया पाइप पेयजल योजना में डबल सिफ्ट में मैनपावर को बढ़ाकर कार्य को तेजी के साथ एवं गुणवत्तायुक्त कार्य को कराये जाने के निर्देश दिये।

उन्होंने जलनिगम के अधिकारियों को निर्देश दिये कि निर्माणाधीन पाइप पेयजल योजना के कार्यों का पर्यवेक्षण करते हुए कार्यों को गुणवत्ता के साथ तेजी से पूर्ण कराएं। बैठक में अपर आयुक्त प्रशासन अमर पाल सिंह, संयुक्त विकास आयुक्त अनिल कुमार, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे एमपी सिंह एवं अपर जिलाधिकारी चित्रकूट, महोबा व हमीरपुर तथा कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा जलनिगम के अधिशाषी अभियंता उपस्थित रहे।

लाइन चालू होने पर संविदा लाइन मैन करंट से झुलसा

बांदा। तिंदवारी क्षेत्र के बेंदा गांव निवासी संविदा लाइनमैन ब्रजभान (32) पुत्र जयचंद्र गुरुवार की शाम को बगहा डेरा में बिजली पोल में चढ़कर फाल्ट ठीक कर रहा था, तभी अचानक सप्लाई चालू हो जाने पर करंट लगने से आहत हो गया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। ब्रजमोहन का कहना है कि वह जौहरपुर उपकेंद्र में संविदा लाइनमैन है। उसने एसएसओ से शट डाउन लिया था, लेकिन शट डाउन वापस लिए बिना ही सप्लाई चालू कर दी गई, इससे वह करंट लगने से आहत हो गया।

आसमान में छाई रही बदली, ठंड का असर बढ़ा

बांदा। दिसंबर माह के दूसरे पखवारे में ठंड ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। शाम होते ही लोग ठिठुर रहे हैं। शुक्रवार की भोर से ही आसमान पर बदली छाई होने के कारण पूरा दिन धूप नहीं निकली। इसकी वजह से ठंड का असर बढ़ गया। पिछले चौबीस घंटों में ठंड की चपेट में आने पर छह लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। दिसंबर माह में बढ़ी ठंड ने लोगों को बीमार बनाना शुरू कर दिया है। ठंड की चपेट में आने से राजकुमार (7) पन्नाह मरका, पूनम (23) कांशीराम कालोनी, मंजू (16) चटचटगन देहात कोतवाली, रंजीत (65) मवई, भानू देवी (60) कटरा, अनिल (30) शांति नगर को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया, वहां उनका उपचार किया जा रहा है। शुक्रवार को भोर से ही आसमान में बदली छाई रही। ठंडी हवाओं के झोंके भी चलते रहे। ऐसे में मौसम का मिजाज पूरी तरह से ठंड हो गया। शाम होते ही लोगों को ठंड का एहसास हुआ। ऐसे में लोगों ने खुद को गर्म कपड़ों से ढक लिया। चिकित्सकों का कहना है कि दिसंबर माह के दूसरे पखवारे में बढ़ रही ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़े जरूर पहनें। खासकर बच्चों का विशेष ध्यान रखने के लिए चिकित्सकों ने सलाह दी है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच मनाया गया वार्षिकोत्सव

संवाददाता।

बांदा। शहर के विद्यावती निगम मेमोरियल पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यालय की प्रधानाचार्या डा. संगीता लमगोड़ा ने कहा कि विद्यालय परिवार स्कूल के विद्यार्थियों को सफल एवं जिम्मेवार नागरिक बनाने के लिए कृत संकल्पित है। उन्होंने छात्र–छात्राओं की उपलब्धियों को भी उपस्थित जनमानस से साझा करते हुये बताया कि कक्षा 12वीं के छात्र ध्रुव सेठ ने खेलो इण्डिया अभियान में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। वहीं कक्षा 11 की छात्रा भूमिका सोनी व कक्षा 9 की कृतिका सोनी ने जयपुर में आयोजित कराटे प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त किया। कार्यक्रम की शृंखला में एक के बाद एक मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिसका दर्शकों ने भरपूर आनंद लिया। विभिन्न प्रान्तों की संस्कृति को दर्शाने हेतु विद्यार्थियों द्वारा कई लोकनृत्य प्रस्तुत किए गए जिसमें 'राई' नृत्य ने बुन्देलखण्ड की बुन्देलीपन को मंच पर जीवंत कर दिया। वहीं कुछ छात्र–छात्राओं ने अंग्रेजी व हिन्दी भाषा में लघु नाटिकाओं की प्रस्तुति देकर शिवाजी, भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव जैसे महान बलिदानियों की वीरगाथा को याद कराया। नन्हें–मुन्नों द्वारा प्रस्तुत की गई कव्वाली 'जो है नाम वाला वही तो बदनाम है' ने खूब तालियां बटोरीं। जूनियर वर्ग द्वारा 'जल ही जीवन है' नाटक की प्रस्तुति देकर जल संरक्षण के महत्व को समझाया गया। वहीं अष्ट्म के विद्यार्थियों ने गोपी नृत्य की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर पूरे प्रांगण को ही कृष्णमय बना डाला। मंच पर आसीन बाल कवियों ने बाबू केदारनाथ अग्रवाल, गोपाल दास नीरज, साहिब लुधियानवी व हास्यकवि हुल्लड़ मुरादाबादी जैसे कवियों के छंद व रचनायें सुनाकर सभी श्रोताओं को वीर, हास्य, वीभत्स एवं शृंगार रसों से ओत–प्रोत कर दिया।

अध्यापकों को वितरित किए कए टैबलेट

संवाददाता।

कमासिन। प्रदेश सरकार द्वारा प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षण कार्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से और समय से शिक्षकों की विद्यालय में उपस्थिति में किसी प्रकार की मनमानी न हो, इस कारण प्रत्येक शिक्षक को टैबलेट से लैस किया जा रहा है। इसके तहत ब्लाक संसाधन केंद्र में प्राथमिक 142 उच्च प्राथमिक 46 कुल 188 विद्यालयों के प्रधानाध्यापक व सहायक अध्यापकों को टैबलेट का वीईओ आभा अग्रवाल द्वारा प्रथम चरण में 125 प्राथमिक व कंपोजिट विद्यालय के प्रधानाध्यापको को वितरित किया गया।

जन उद्योग व्यापार संगठन ने की बैठक, महासम्मेलन में जाएंगे

बबेरू। राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन ने बैठक कर बबेरू कमासिन, मर्का, मुरवल में चुनाव कराने के लिए रसीद बही वितरण कर सदस्यता करने का फैसले के साथ– आगामी 6, 7 जनवरी को चित्रकूट कर्वी में व्यापारी महासम्मेलन में जाने का निर्णय लिया। बबेरू कस्बे के श्री मैरिज हाल में नगर अध्यक्ष सुधीर अग्रहरि की अध्यक्षता एवम जिला प्रभारी श्री राम गुप्ता की मौजूदगी में बैठक संपन्न हुई जिसका संचालन तहसील अध्यक्ष राजेश साहू ने किया बैठक में सदस्यता प्रभारी नरेंद्र गुप्ता मन्ना ,सह प्रभारी अखिलेश पाल को सर्वसम्मत से बनाया गया।जिला प्रभारी श्रीराम गुप्ता ने कहा कि बबेरू कमासिन मर्का मुरवल की जो सदस्यता रसीद बही वितरण की गई है, उनको हर हाल में 30 जनवरी तक जमा कर दें। प्रत्येक व्यापारी से सिर्फ 50 ही लिए जाएंगे।

डग्गामार वाहनों ने सड़क पर किया कब्जा, आवागमन मुश्किल

- बिना परमिट के वाहन एमपी सीमा से नरैनी में हो रहे दाखिल

नरैनी। डग्गामार वाहनों ने मुख्य चौराहा सहित चारों मार्गों में लगभग 100 मीटर दूर तक कब्जा कर लिया है। इससे लोगों को जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। स्कूली बच्चों और मरीजों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कस्बा के मुख्य चौक में बिना किसी परमिट के अवैध रुप से वाहनों में टैम्पो चालक सवारी भरने का कार्य कर रहे है। रोजाना मुख्य चौराहे से लेकर पूरा कस्बा जाम रहता है। दूरदराज से आने जाने राहगीरों को घंटो मुख्य चौराहे में खड़े होकर निकलने के इंतजार करना पड़ता है। तमाम बिना परमिट के वाहन मध्यप्रदेश की सीमा से दाखिल होकर नरैनी मुख्य चौराहे में खड़े होकर सवारियां भरते है। ऐसे ही बिना कागजात के तमाम टैम्पो भी सवारी भरने का कार्य करते है। इस संदर्भ में पूर्व विधायक राजकरण कबीर ने कहा कि नगर पंचायत के लापरवाही का नतीजा है। इंतजाम के नाम पर प्रत्येक महीनों सरकारी धन का बंदरबाट किया जा रहा है। कस्बे का जाम सरकार पर सवालिया निशान निशान लगाता है। सरकार पूरी तरह से यातायात ब्यवस्था सहित कस्बों के सौंदर्यीकरण के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च करती है। कारोबारी अरविंद पांडे ने बताया कि मुख्य चौराहे में अवैध वाहन खड़े कराये जाते है।जिससे अस्पताल तहसील, ब्लाक और राजकुमार इंटर कालेज के छात्रों को आने जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कस्बा निवासी ओमप्रकाश पांडेय ने बताया कि पूर्व में सभी मार्गो के लिए स्टैंड निर्धारण हो चुका था, पार्किंग स्थल की जगह भी निर्धारित की जा चुकी थी लेकिन प्रशाशन द्वारा इसे अनुमति न मिलने के कारण मुख्य चौराहा के साथ साथ तहसील तक हर समय जाम बना रहता है। बीच चौराहे से ही तमाम वाहन अवैध तरीके से सवारियां भरने का काम करते है जिससे कस्बा वासियों को अपनी बाइक या साइकिल खड़ी करने की जगह नहीं मिलती है। रोजाना शाम होते ही कोतवाली पुलिस लोगो को जबरन परेशान कर भारी भरकम चालान काटने का कार्य करते हैं। वहीं मौके पर मौजूद चौराहा जाम किये अनाधिकृत वाहन पुलिस को नजर नही आते। जबकि समाजसेवियों द्वारा कई बार पुलिस से जाम की शिकायतें की गई हैं।

अटल भूजल योजनारू कार्यों का किया गया भौतिक सत्यापन

- स्प्रिंकलर, साकपिट, बंधी और मेड़बंदी कार्यों की भी हुई समीक्षा

नरैनी। अटल भूजल योजना अंतर्गत अप्रैल से सितंबर तक जल संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में किए गए कार्यों का भौतिक सत्यापन किया गया। स्प्रिंकलर, साकपिट, बंधी और मेड़बंदी आदि कार्यों का भौतिक सत्यापन हुआ। अटल भू–जल योजना 1 अप्रैल 2020 को शुरू की गई थी। इस योजना से देश के कई जल निकायों की मौजूदा स्थिति में सुधार किया जा रहा है। यह योजना कृषि क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए भूजल के स्तर को ऊपर उठाने में मदद कर रही है। जिसके तहत शुक्रवार को ब्लॉक क्षेत्र के मूडी गांव स्थित पंचायत भवन में भारतीय गुणवत्ता परिषद द्वारा जल संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में अटल भूजल योजना अंतर्गत चलाए जा रहे कार्यों का भौतिक सत्यापन किया गया है। विभाग के आईईसी एक्सपर्ट अखिलेश पाण्डेय ने समुदाय को योजना के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि भूजल संकट को दूर करने के लिए ये योजना चलाई जा रही है। बताया कि पानी बनाया नहीं जा सकता किन्तु समुदाय के योगदान से इसे बचाया जा सकता है। इस अवसर पर ओसीआई टीम के राजेश कुमार, एग्रीकल्चर एक्सपर्ट रविकांत उपाध्याय, ग्राम प्रधान सुभाष पाण्डेय, सचिव शशि प्रकाश पाण्डेय, रोजगार सेवक रामानंद पाण्डेय सहित गांव के प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

यूरो सर्जन ने किया लिंग कैंसर का सफल आपरेशन

बांदा। बांदा में मेडिकल कालेज बनने के बाद से, चिकित्सा के क्षेत्र में लगातार नई–नई उपलब्धियां देखने को मिल रही हैं, जिससे बांदा और उसके आस पास के मरीजों को बड़े शहरों में भटकना नहीं पड़ रहा, बल्कि कई मरीज तो बड़े शहरों से मायूस होकर जब बांदा वापस आ रहे हैं तो उनका भी उपचार यहां हो रहा है, जो बांदा के लिए किसी उपलब्धि से कम नहीं है। ऐसा ही एक लिंग कैंसर का मामला रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज में देखने को मिला। बबेरू तहसील के पल्हरी गांव का रहने वाला लक्ष्मण प्रसाद (28) पुत्र रामप्रसाद काफी समय से लिंग कैंसर से पीड़ित था लक्ष्मण कानपुर, प्रयागराज आदि कई बड़े शहरों में इलाज कराने गया लेकिन कही उसका उपचार नहीं हो पाया, तब वो पिछले हफ्ते बांदा के रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज के सर्जरी विभाग में कार्यरत यूरो सर्जन डाक्टर सोमेश त्रिपाठी से मिला। डाक्टर सोमेश त्रिपाठी ने जब लक्ष्मण की जांचें कराईं तो लिंग कैंसर की पुष्टि हुई। डाक्टर सोमेश ने लक्ष्मण को तुरंत आपरेशन कराने की सलाह दी। लक्ष्मण कई बड़े शहरों से थक हार कर वापस आया था तो वो तुरन्त आपरेशन कराने को तैयार गया और सोमेश त्रिपाठी और उनकी टीम ने लगभग ढाई घण्टे चले आपरेशन के बाद लक्ष्मण के लिंग से कैंसर निकाल कर अलग कर दिया कुछ समय चिकित्सीय सेवा में रखने के बाद लक्ष्मण को शुक्रवार को छुट्टी दे दी गई और वो खुशी खुशी अपने घर चला गया। डाक्टर सोमेश ने अपनी योग्यता से लक्ष्मण की सर्जरी के बाद उसके लिंग को इस तरह से बना दिया जिससे उसकी दैनिक क्रियाएं भी प्रभावित नहीं हुई। यूरो सर्जन ने इस सफल आपरेशन के बारे में बताया कि उनके मेडिकल कालेज के लगभग दो ढाई साल के कार्यकाल में ये पहला लिंग कैंसर का आपरेशन है, शायद ये बांदा के चिकित्सा के इतिहास का भी पहला लिंग कैंसर का सफल आपरेशन होगा। उन्होंने कहा कि इससे पहले वो अन्य बड़े शहरों में इस तरह के आपरेशन कर चुके है। उन्होंने मरीज के बारे में बताया कि मरीज के लिंग में एक गांठ हो गई थी जिसका समय पर उपचार न होने से वो कैंसर बन गया। इस सफल आपरेशन के खर्च के बारे में उन्होंने बताया कि अगर ये आपरेशन किसी प्राइवेट नर्सिंग होम में होता तो एक से डेढ़ लाख तक का खर्च आ जाता। रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज में ये आपरेशन सिर्फ सरकारी यूजर चार्ज पर हो गया। ढाई घण्टे चले इस सफल लिंग कैंसर के आपरेशन की टीम में डाक्टर सोमेश त्रिपाठी यूरो सर्जन, डाक्टर प्रिया दीक्षित एनेस्थीसिया, डाक्टर राहुल कुमार सीनियर रेजिडेंट, डाक्टर अरविंद कुमार, स्टाफ नर्स में सोनम, उमा, आशीष, हिना आदि शामिल रहीं। इस सफल आपरेशन के लिए मरीज लक्ष्मण प्रसाद और उसके परिवार ने डाक्टर सोमेश की खुले कंठ से सराहना की और आभार जताया।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।